

इनसाइड



महिलाएं हर दिन करें ये 3 योगासन, बिना जिम के मिलेगा स्लिम-ट्रिम लुक

एक्सरसाइज या योग करना सेहत के लिए फायदेमंद है. नियमित योग और एक्सरसाइज करने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है. इससे कई बीमारियों से निजात भी मिलती है. बिजी रहने की वजह से या घर से बाहर न जाने की आदत के चलते कई बार महिलाओं के लिए जिम या योग केंद्र जाना पॉसिबल नहीं हो पाता है. कई बार महिलाएं चाहते हुए भी जिम नहीं जा पाती हैं और अपनी सेहत के साथ समझौता कर लेती हैं. हालांकि अगर आप चाहें तो घर में रहकर भी कुछ खास योगासन की मदद ले सकती हैं. जो आपको स्वस्थ रखने में अच्छी भूमिका निभा सकते हैं.

यूपी के लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की ऑर्थोपेडिक सर्जरी डिपार्टमेंट की क्लीनिकल योग इंस्ट्रक्टर डॉ. वंदना अवस्थी से उन योगासनों के बारे में जानते हैं, जो आपको स्वस्थ रखने के साथ कई बीमारियों से राहत देने में मदद करेंगे. वैसे तो कोई भी आसन सुबह के समय करना बेहतर होता है लेकिन समय न मिलने पर जब भी करें तो खाना खाने के बाद कम से कम दो घंटे का गैप जरूर रखें. इतना ही नहीं इन योगासनों को करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

चक्की चलनासन

इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर योगा मैट बिछाकर बैठ जायें. अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैला कर मैक्सिमम गैप बनाएं. इस दौरान रीढ़ की हड्डी को सीधा रखे. अब हाथों को जमीन पर एकदम सामने की ओर सीधा रखकर उंगलियों को आपस में फंसा लें. फिर अपने हाथों को कलोंक वाइज यानी दायीं से बायीं तरह गोल-गोल उसी तरह से घुमायें जैसे चक्की चलाई जाती है. इसके बाद विपरीत दिशा में यही प्रक्रिया दोहराएं. इस योगासन को शुरू में एक-दो मिनट करें फिर धीरे-धीरे समय को बढ़ाएं. इस योगासन से पीसीओडी की दिक्कत में राहत मिलती है. जिससे अनियमित मासिक धर्म धीरे-धीरे नियमित होने लगता है साथ ही दर्द और ऐंठन से भी राहत मिलती है. इतना ही नहीं ये मेटल स्ट्रेस को कम करने और मोटापे से निजात दिलाने में भी मदद करता है.

तितली आसन

तितली आसन करने के लिए योगा मैट पर सूर्य की ओर मुख कर के आराम की मुद्रा में बैठें. फिर अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैला कर इस तरह से मोड़ें जिससे दोनों पैरों के तलव आपस में मिल जायें. अब दोनों हाथों से पैर के तलवों को अच्छी तरह से पकड़ लें. अब तितली की तरह अपने पैरों को हिलाएं. इस आसन को भी शुरू में एक-दो मिनट करें फिर अपनी कैपिसिटी के अनुसार धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं. तितली आसन करने से भी पीसीओडी की दिक्कत से राहत मिलती है. साथ ही पीठ का दर्द और मसल स्ट्रेस भी दूर होता है. इतना ही नहीं इस आसन को तीन महीने की गर्भावस्था के बाद भी किया जा सकता है. ये आसन डिलीवरी को आसान बनाने में भी मदद करता है. नियमित रूप से तितली आसन करने से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है.

दंडासन

दंडासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जायें और पैरों को सामने की ओर फैला कर आपस में मिला लें. फिर दोनों हाथों को कंधों के बराबर अपनी जांघों के पास सीधा जमीन पर रखें. इस बीच रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें. अब दोनों पैरों के पंजो को अपनी ओर खींचें. कुछ सेकेंड रोक कर रखें फिर ढीला छोड़ दें. इस प्रक्रिया को दस से पंद्रह बार अपने सामर्थ्य के अनुसार दोहराएं. इस आसन को किसी भी आयु और अवस्था की महिलाएं आसानी से कर सकती हैं. दंडासन करने से कंधों में खिंचाव की दिक्कत कम होती है. रीढ़ की हड्डी लचीली और मजबूत होती है, मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और पाचन शक्ति बढ़ती है।

किसी के कहने पर दवाओं का सेवन करना हानिकारक हो सकता है. आजकल जिसे देखो वह दूसरों को बात-बात में सलाह देता रहता है. इनमें से कुछ एडवाइस काम की होती हैं और कुछ को ना मानना ही ठीक होता है. यदि आपकी भी सहेलियां, रिश्तेदार या फिर ऑफिस कलौग वजन घटाने, वर्कआउट करने, डाइटिंग करने या फिर मेकअप, पहनावे से लेकर रिलेशनशिप, करियर आदि पर सलाह देते हैं तो सुन जरूर लें, लेकिन फॉलो वही करें जो आपको अपने लिए सही और बेस्ट लगता हो. अक्सर दोस्त अपना समझकर नसीहत देते हैं, लेकिन उन्हें आंख मूंदकर मानने से बचना चाहिए. मित्रवत सलाह आमतौर पर लोग अपने अनुभवों और आपके प्रति चिंतित होकर देते हैं. ऐसे में जरूरी नहीं कि उन्हें जो चीज सूट करती हो, फायदेमंद साबित हुई हो, वह आपके लिए भी सही ही हो. खासकर, जब सलाह सेहत से संबंधित दी जा रही हो. न्यूयूमनईडिया डॉट कॉममें छपी एक खबर के अनुसार, शारीरिक और साइकोलॉजिकल हेल्थ एडवाइस आप सिर्फ विशेषज्ञों या डॉक्टर की राय पर ही फॉलो करें. बेशक, आप अपनी दोस्त को अच्छी तरह से जानती-समझती हों, आप दोनों की दोस्ती कितनी भी अच्छी क्यों न हो, किसी विशेषज्ञ से सलाह लिए बिना किसी भी तरह की दोस्ताना सलाह लेने में नासमझी न करें. हम आपको यहां 4 फ्रेंडली एडवाइस के बारे में बता रहे हैं, जिनमें कभी भी आंख मूंदकर नहीं फॉलो करना चाहिए.

वर्कआउट

अक्सर जो लोग फिटनेस फ्रीक होते हैं, वह सामने वाले को भी वही करने की



सलाह देते हैं, जो वे खुद डेली रूटीन में करते हैं. यदि आपकी कोई दोस्त फिटनेस फ्रीक है और आपको वर्कआउट से संबंधित एडवाइस दे तो उसे सिर्फ जानकारी के तौर पर सुनें. आपकी मेडिकल कंडीशन कैसी है, यह आपसे बेहतर कोई और नहीं जान सकता. वर्कआउट करने से पहले आपको मेडिकल हिस्ट्री, परिवार में चली आ रही है बीमारियां, आपकी मेडिकल कंडीशन पर विचार करके ही वर्कआउट करने की योजना बनाएं. आप इसके लिए किसी फिटनेस एक्सपर्ट और ट्रेनर की सलाह जरूर ले लें.

खानपान की आदत

आपका जैसा खानपान होगा उसी अनुसार आपकी सेहत भी बनेगी. आप अपनी फिजिकल हेल्थ को ध्यान में रखकर ही अपना फूड इनटेक करें.

आप दूसरों की सलाह पर अपनी डाइट तय ना करें. आपकी दोस्त कोई डाइट फॉलो कर रही है तो उसके कहने पर आप भी उन चीजों का सेवन ना करें. शरीर में विभिन्न हार्मोनल फंक्शन, पाचन एंजाइम्स के कार्यों, पोषक तत्वों की जरूरत और अधिकता के साथ-साथ आपके रक्त में कुछ घटकों के स्तर को समझने के बाद ही उचित डाइट किसी के लिए तय की जाती है. ऐसे में सिर्फ दोस्त के कहने पर कोई भी डाइट फॉलो करना सही नहीं है.

दवाओं का सेवन

फ्रेंड सर्किल में कोई ना कोई ऐसा होता है, जो हर कॉमन बीमारी के लिए दवा लेने की सलाह जरूर दे देगा. ये दवाएं निश्चित रूप से आपको आराम पहुंचा सकती हैं, लेकिन ये आपके शरीर के अनुकूल नहीं हुईं तो इनके कुछ साइड एफेक्ट्स भी हो सकते हैं. यह आपके

महत्वपूर्ण अंगों को भी स्थायी नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए केवल उन्हीं दवाओं का सेवन करें, जो आपको डॉक्टर ने सलाह दी हो.

करियर और रिश्तों पर सलाह

जब आपके करियर और रिश्तों से जुड़े मुद्दों की बात आती है तो इसका फैसला आप खुद लें ना कि किसी के कहने पर आप अपने करियर और लाइफ पार्टनर का चुनाव करें. हर किसी की राय जानें, लेकिन अपनी क्षमता के अनुसार ही उसका चुनाव करें. यदि आपकी दोस्त डॉक्टर बनना चाहती है तो आप भी वही करें, ये जरूरी नहीं है. सुनें सभी की, लेकिन करें अपने मन और इच्छानुसार. रिश्तों में भी वही बात शामिल है. यदि आपको कोई पसंद नहीं तो अपने दोस्त या रिश्तेदार के कहने पर उससे किसी भी तरह के रिलेशन में ना बंधें.

स्ट्रॉन्ग वूमेन की 6 पहचान, जो उन्हें बनाती है सबसे अलग, आप खुद को कितना नंबर देंगी ?

आमतौर पर हमारे देश में महिलाओं को काफी नाजुक और इमोशनली कमजोर माना जाता रहा है. लेकिन कई महिलाओं ने युवा लड़कियों के लिए उदाहरण पेश किया कि महिलाएं हर तरह से मजबूत हो सकती हैं और हर तरह की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से डील कर सकती हैं. यहां हम आपको बता रहे हैं कि स्ट्रॉन्ग वूमेन की क्या पहचान है और आप खुद को इस कैटेगरी में शामिल करती हैं या नहीं.

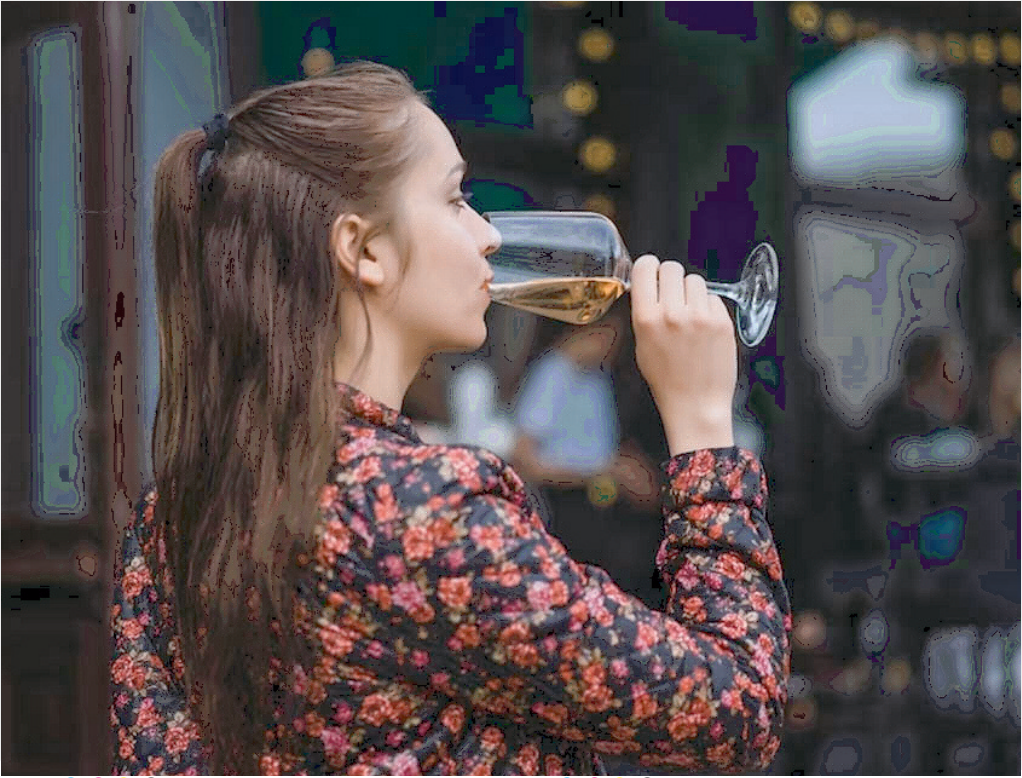
आप मानसिक रूप से कितनी मजबूत हैं, यह आपका 'आत्मविश्वास' बहुत अच्छी तरह से बताता है. जब आपके अंदर आत्मविश्वास होता है तो आप खुद का खास ख्याल रखती हैं और कभी भी खुद की तुलना दूसरों से नहीं करती. जिस वजह से ऐसी

महिलाएं हमेशा खुश रहती हैं, इसलिए आत्मविश्वास किसी भी स्ट्रॉन्ग महिला की पहली पहचान मानी जाती है. मजबूत सोच वाली महिलाएं अपने लाइफ को हमेशा प्रोडक्टिव बनाए रखती हैं और हर वक्त कुछ ना कुछ बेहतर करने के प्रयास में रहती हैं. इस तरह वे जमाने के साथ अपडेट रहती हैं और उन्हें नए माहौल में एडजस्ट होने में मुश्किल नहीं आती. मेटली स्ट्रॉन्ग महिलाएं निराशावादी नहीं होतीं. उनके देखने का नजरिया काफी पॉजिटिव होता है और वे हर तरह से अपने आसपास गुड वाइब्स को क्रिएट करती रहती हैं. हां यह हो सकता है कि हर समय आशावाद और सकारात्मकता सोच संभव न हो, लेकिन जितनी बार वे विकास की मानसिकता को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करती हैं, जिसकी वजह से उनका और उनके आसपास रहने वालों का मूड हमेशा बेहतर बना रहता है. मानसिक रूप से मजबूत महिलाएं खुद का



ख्याल रखने के साथ-साथ दूसरों का भी ख्याल रखती हैं, जिस वजह से उनका लोगों के साथ पॉजिटिव रिलेशन बना रहता है. दरअसल, जब आप लोगों की खुशी का परवाह करते हैं तो यह आपको भी खुशी देता है. यही सोच स्ट्रॉन्ग महिलाओं में भी होती है. मानसिक रूप से मजबूत महिलाओं को लोगों की टिप्पणियों को नजरअंदाज करने आता है और वे रेनफस्ट करने वालों पर आसानी से काबू पा सकती हैं. यही नहीं, उन्हें खुद पर विश्वास होता है और वे उन महिलाओं की मदद में भी आगे आती हैं जिनको मदद की जरूरत होती है. मानसिक रूप से मजबूत महिलाएं अपने डर, समस्याओं और मुद्दों का सामना करने में विश्वास रखती हैं और उन्हें उनसे सीधे निपटने में दिक्कत नहीं आती. कुछ गलत होने का डर या नकारात्मक रिजल्ट ना हो, यह सोचकर वे हालात से भागती नहीं और जब तक डर पर काबू ना पा लें, वे हालात को सीधा देkhना पसंद करती हैं.

नशे की हालत में भी महिलाएं सनकी, लंपट पुरुषों की कर सकती हैं पहचान : रिसर्च



शराब पीना न सिर्फ सेहत के लिए हानिकारक होता है बल्कि ये हमारी मानसिक स्थिति को भी सीधे तौर पर प्रभावित करता है. शराब पीने के बाद व्यक्ति सही और गलत का निर्णय लेने तक में सक्षम नहीं रहता है, ऐसी सूरत में फिर चाहे पुरुष हो या महिला उसका आसानी से सही व्यक्ति की पहचान करने की क्षमता भी प्रभावित होती है. वैसे तो ये बात ठीक ही है लेकिन नशा की हुई महिलाओं के मामले में ये बात पूरी तरह से खरी उतरती नजर नहीं आती है. हाल ही में एक रिसर्च में सामने आया है कि नशे की हालत में होने के बावजूद भी महिलाएं सनकी (Psychopaths) और धूर्त एवं दुष्ट प्रवृत्ति (Narcissists) के लोगों की पहचान कर सकती हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल की डॉ. गेल ब्रेवर (Dr. Gayle Brewer) और उनकी टीम ने ये रिसर्च की है. Vice की खबर के अनुसार रिसर्च में ये पता लगा

की कोशिश की गई कि शराब पीने के बाद महिलाएं पुरुषों के व्यक्तित्व को कितना पहचान पाती हैं. फोटो के जरिए कराई पर्सनैलिटी की पहचान शराब के नशे में होने के बावजूद महिलाओं ने सनकी, धूर्त और लंपट पुरुषों की पहचान की. इस दौरान रिसर्च टीम ने महिलाओं को वोदका और लेमोनेट पिलाया. बता दें कि ये रिसर्च 96 महिलाओं पर की गई थी, जिनकी उम्र 18 साल से लेकर 26 साल के बीच थी. रिसर्च के दौरान नशा की हुई महिलाओं को कुछ पुरुषों के फोटोग्राफ दिखाए गए जिनके चेहरों से छेड़छाड़ की गई थी जिससे वे सनकी और धूर्त नजर आए. डॉ. ब्रेवर ने बताया कि 'हमने रिसर्च के दौरान क्लिनिकली डाइग्नोज किए गए किसी पुरुष का उपयोग नहीं किया, इसके बजाय उन फोटोज का उपयोग किया जिसमें पुरुष ज्यादा लंपट, सनकी या धूर्त नजर आए.' रिसर्च के दौरान पाया गया कि जिन पुरुषों के

शराब के नशे में होने के बावजूद महिलाओं ने सनकी, धूर्त और लंपट पुरुषों की पहचान की. इस दौरान रिसर्च टीम ने महिलाओं को वोदका और लेमोनेट पिलाया. बता दें कि ये रिसर्च 96 महिलाओं पर की गई थी, जिनकी उम्र 18 साल से लेकर 26 साल के बीच थी. रिसर्च के दौरान नशा की हुई महिलाओं को कुछ पुरुषों के फोटोग्राफ दिखाए गए जिनके चेहरों से छेड़छाड़ की गई थी जिससे वे सनकी और धूर्त नजर आए.

चेहरे ज्यादा सनकी या धूर्त नजर आए महिलाओं ने उन्हें नापसंद किया और उनके बारे में नकारात्मक राय दी. डॉ. ब्रेवर ये भी कयास लगाती हैं कि महिलाओं में दुष्ट प्रवृत्ति के पुरुषों को पहचानने की एक इन्बिल्ट, अनकॉशियस क्षमता एक इवोल्यूशनरी एडवांटेज है. वे ये भी कहती हैं कि आप अल्कोहल को अपने निर्णय के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं.

किसान आंदोलन

परिवहन विशेष न्यूज़

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। लोकसभा चुनाव में उलझी केंद्र सरकार की किसान आंदोलन पार्ट-2 ने नौद उड़ा दी है। पांच दौर की किसान नेताओं से सरकार के तीन मंत्रियों की बातचीत बे-नतीजा साबित हो रही है।उधर पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल समेत पंजाब किसान मजदूर संघर्ष कमटी नेता सरवन सिंह पंढेर ने एमएसपी से कम पर मंजूर नहीं का बिगुल बजाए शंभू बार्डर से हजारों किसान करीब 1200 ट्रैक्टर,300 कारों, 10 मिनी बसों का कार्फिला लिए दिल्ली कूच की ज़िद बांधे हरियाणा सरकार और पुलिस फोर्स से टक्कर ले रहे हैं। मगर किसान पूरी तैयारी के साथ इस बार आंसू गैस और गोलियों और लाठियों से बचाव के चलते पूरे लांव लश्कर के साथ जिसमें ट्रैक्टरों को बख़्तरबंद में मोडिफाइड कर लिया है। इन्हीं ट्रैक्टरों में जुगाड से सीमेंट ड बैरिकेड्स, को हटाने के लिए जुगाड क्रेन ,गड्डों को पाटने के अलावा , सड़कों पर पुलिस द्वारा गाड़ी गई कीलें, कटीले तारों को मिट्टी के कट्टों से पाटने के लिए हजारों कट्टे साथ लेकर चल रहे हैं। इसके अलावा जुगाड क्रेन, जैसीबी , ट्रैक्टरों के पीछे बड़े बड़े पंखे लगाए गए हैं। जिनसे पुलिस द्वारा छोड़े गए आंसू गैस के प्रभाव को खत्म किया जा सके। अगवा दस्तवे के किसानों ने बेस्हूट कर्वॉलेंटी का मास्कु लगा रखा है। वहीं सुरक्षा के बतौर पुलिस द्वारा तैनात ड्रान को पंतग

फाइनल ईयर के छात्र ने किया सुसाइड, अब आईआईटी ने सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर उठाया ये कदम
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में पिछले दिनों एमटेक अंतिम वर्ष के छात्र के खुदकुशी करने के बाद सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। छात्रों में परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने को लेकर नाराजगी है। हालांकि संस्थान ने छात्रों को जो निर्देश भेजे हैं उममें सहमति से परीक्षाएं आगे बढ़ाने की बात लिखी गई है।

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में पिछले दिनों एमटेक अंतिम वर्ष के छात्र के खुदकुशी करने के बाद सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। छात्रों में परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने को लेकर नाराजगी है। हालांकि, संस्थान ने छात्रों को जो निर्देश भेजे हैं, उममें सहमति से परीक्षाएं आगे बढ़ाने की बात लिखी गई है। आईआईटी दिल्ली (IIT Delhi) के द्रोणागिरि छात्रावास में 15 फरवरी को शाम को एमटेक अंतिम वर्ष के छात्र वरद संजय नेरकर ने खुदकुशी कर ली थी। आईआईटी की ओर से आत्महत्या के कारणों के संबंध में कुछ नहीं कहा गया था। हालांकि कुछ छात्रों ने प्रोजेक्ट वर्क के दबाव की बात जरूर कही थी।

अचानक भेजा गया ईमेल
इस दौरान सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हो गई थीं। दो पेपर हो भी गए थे। लेकिन, एकाएक आईआईटी प्रशासन ने मंगलवार रात ईमेल के जरिये छात्रों को परीक्षा आगे बढ़ाने की जानकारी दी। ई-मेल में कहा गया है कि वरद संजय नेरकर की आत्महत्या ने हम सभी को गहरे दुःख में छोड़ दिया है।
परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाई
इस आघात ने विशेष रूप से मध्य सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को प्रभावित किया है। इसको देखते हुए सभी छात्र प्रतिनिधियों के साथ चर्चा और आज उनकी सर्वसम्मति के आधार पर बुधवार-21 से शनिवार-24 फरवरी तक निर्धारित मध्य सेमेस्टर परीक्षाओं को सोमवार-26 से गुरुवार-29 फरवरी तक पुनर्निर्धारित किया गया है।

दिल्ली से सहारनपुर जाने में लगेगा कम समय, अब और तेज स्पीड से चलेंगी ट्रेनें; इन राज्यों को भी होगा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज़
वर्ष 2022 में दिल्ली से नोली-शामली-टपरी होते हुए सहारनपुर रेलखंड का विद्युतीकरण का काम पूरा होने के साथ ही इसकी गति क्षमता बढ़ाने का काम शुरू कर दिया गया था। इस रेल खंड पर 130 की स्पीड से ट्रेन चलाने का लक्ष्य है। इस प्रक्रिया के पहले चरण में दिल्ली-शाहदरा से टपरी के बीच 151.25 किलोमीटर रेलखंड की गति सीमा बढ़ाने की अनुमति मिली है।

नई दिल्ली।मिशन रफ़्तार के तहत ट्रेनों की गति बढ़ाने का काम चल रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली से सहारनपुर रेलखंड पर अब पहले की तुलना में अधिक तेज गति से ट्रेनें चलेंगी। अभी इस रूट पर दिल्ली



किसान नेताओं को MSP से कम मंजूर नहीं, 5वीं वार्ता विफल, लाव लश्कर लिए दिल्ली कूच पर अड़े



उडाकर गिराने की तैयारी भी किसानों ने की है। इसके अलावा ट्रैक्टर ट्रालियों में 6 महीने का राशन, के इंतजाम के साथ चल रहे हैं। किसान आंदोलनकारियों के द्वारा टकराव के इरादे को देखते हुए हाईकोर्ट ने किसान आंदोलनकारियों को रोकने के आदेश दे दिए हैं। साथ ही सरकार से बातचीत के जरिए हल निकालने को कहा है। पर दूसरी ओर संयुक्त किसान मोर्चा के

दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर NH-9 पर लगा भीषण जाम, रेंग-रेंग कर चल रहे वाहन

किसानों के दिल्ली कूच के एलान से एक बार फिर राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्र में फिर से समस्या बढ़ गई है। दिल्ली के बॉर्डर इलाकों में बैरिकेडिंग करने और पुलिस की सुरक्षा-व्यवस्था के चलते जाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। दिल्ली से सटे सिंधु बॉर्डर बदरपुर बॉर्डर गाजीपुर बॉर्डर डीएनडी फ्लाईवे पर जम लग रहा है।

नई दिल्ली। किसानों के दिल्ली कूच के एलान से एक बार फिर राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्र में फिर से समस्या बढ़ गई है। दिल्ली के बॉर्डर इलाकों में बैरिकेडिंग करने और पुलिस की सुरक्षा-व्यवस्था के चलते जाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। दिल्ली से सटे सिंधु बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर, डीएनडी फ्लाईवे पर जम लग रहा है। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर जाम की स्थिति देखी जा रही है। जाम की समस्या दिनभर रही, लेकिन पीक आवर्स में शाम के समय स्थिति ज्यादा खराब हो गई। एनएच-9 पर गाजीपुर में लंबा जाम लगा हुआ है।
नोएडा में सुबह लगा लंबा जाम
बुधवार सुबह से दिल्ली-नोएडा के सभी प्रमुख

बॉर्डर पर सख्ती रही। दिल्ली पुलिस की सख्ती से सेक्टर-14ए स्थित चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर पर व्यस्त समय में यातायात का दबाव रहा। सुबह आठ बजे से 11 बजे के बीच दिल्ली जाने वालों को परेशानी का हुं।
गाजियाबाद में भी दिनभर रेंगा ट्रैफिक
यूपी गेट पर बुधवार सुबह करीब तीन घंटे भीषण जाम लगा रहा है। अन्य सीमाओं पर भी वाहन रेंगते रहे। इसकी वजह से राहगीरों का ईंधन व समय बर्बाद हुआ। वह देरी से गंतव्य तक पहुंचे। बुधवार सुबह से ही दिल्ली की सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था रही। राष्ट्रीय राजमार्ग-नो की अप-डाउन लेन पूरी तरह से बंद रही। राष्ट्रीय राजमार्ग-नो व दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर फ्लाईओवर के ऊपर भी बैरिकेडिंग रही। फ्लाईओवर के ऊपर दोनों हाईवे पर बैरिकेडिंग की वजह से सिर्फ एक-एक लेन से वाहनों को गुजारा। इसकी वजह से यहां वाहनों की रफ्तार धीमी रही।
गुरुग्राम में भी रेंगते रहे वाहन
मानेसर में मंगलवार को हुए किसानों के धरना प्रदर्शन और दिल्ली कूच को देखते हुए दिल्ली पुलिस बुधवार को फिर सतर्क हो गई। यहां सुबह सात बजे रजोकारी बार्डर पर सर्विस लेन बंद कर दी गई। इसके साथ ही बैरिकेडिंग कर दिल्ली गुरुग्राम

एक्सप्रेस-वे पर वाहन चालकों की जांच की गई। इस जांच से वाहन चालकों के पहिए धम गए और एक्सप्रेस-वे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया।
दिल्ली कूच का किया आह्वान
केंद्र सरकार से बातचीत के बीच किसानों ने दिल्ली कूच का आह्वान किया है। किसानों का दिल्ली कूच करने की घोषणा के तहत संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेता और सदस्य मंगलवार सुबह से ही शंभू और खनौरी बॉर्डर पर रणनीति बनाने में जुट गए। इसके तहत किसान कंक्रीट व भारी-भरकम बैरिकेड तोड़ने के लिए बख़्तरबंद भारी मशीनरी लेकर किसान शंभू बॉर्डर

तैयार है। वह दिल्ली को घेरने की पूरी तैयारी से घरों को छोड़ चुके हैं। सरकार को गरीब किसान की बजाए बड़े पूंजी पतियों के फायदे की ज्यादा चिंता दिखाई दे रही है।

फ्लैट में आग लगने पर मदद के लिए चिल्लाती रहीं दादी-पोती, जब टूटी उम्मीद तो चौथी मंजिल से लगाई छलांग
Delhi Fire News सोसाइटी के गार्ड चंद्रपाल बताते हैं कि दादी पोती दोनों काफी देर तक बालकनी में खड़े रहे और मदद की गुहार लगाते रहे। दादी व पोती ने बालकनी से गद्दा तकिया चादर नीचे की और फेंका। शायद इस उम्मीद से कि जब वे नीचे छलांग लगाएं तो सीधे गद्दे पर गिरें लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।
दिल्ली।पैसेफिक अपार्टमेंट के चौथी मंजिल पर बने फ्लैट में जब आग लगी तब दादी व पोती ने अपने स्तर पर खुद को बचाने का पूरा प्रयास किया। अंदर जब आग बढ़ने लगी तो दोनों बालकनी में आ गए। पैसेफिक अपार्टमेंट से ठीक सटी इलिजबल सोसाइटी के गार्ड चंद्रपाल बताते हैं कि दादी पोती दोनों काफी देर तक बालकनी में खड़ी रहीं और मदद की गुहार लगाती रहीं।
बचाओ-बचाओ की गुहार लगाती रहीं दोनों
आग-आग, बचाओ- बचाओ की आवाज दोनों रह रहकर लगाते रहे। चंद्रपाल बताते हैं कि उन्होंने उन तक रस्सी फेंककर पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन नाकामयाब रहे। पैसेफिक अपार्टमेंट के जिस फ्लैट में आग लगी, उसके ठीक किनारे में इलिजबल सोसाइटी है। आग की लपटों पर सबसे पहली नजर चंद्रपाल की ही पड़ी। चंद्रपाल शोर मचाते हुए भागे और पैसेफिक सोसाइटी के गार्ड को सूचना दी। चंद्रपाल बताते हैं कि बालकनी में दोनों को मदद की गुहार लगाता देख लोगों ने सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए रस्सी का इंतजाम किया। इसके बाद चंद्रपाल नीचे से उपर की ओर रस्सी फेंकने में जुट गए, लेकिन चौथी मंजिल पर रस्सी बार बार की कोशिश के बाद भी नहीं पहुंच सका। इस बीच कई लोग दकमल की गाड़ियों को मौके पर पहुंचने में दिक्कत नहीं हो, इसके लिए रास्ते को खाली कराने में जुट गए।
तेज होती गई आग की लपटें
आसपास के लोगों ने बताया कि इस रोड पर आसपास के स्कूलों के बसों की कतार रोजाना लगी रहती है। सड़क के दोनों ओर बसों का जमावड़ा स्कूल के दौरान लगा रहता है। इसे देखते हुए कई लोग बसों को हटाने में जुट गए।



स्विगी अकाउंट हैक कर दो युवकों ने 1 लाख का किया ऑर्डर , दोनों ने की ऐसी गलती...



15 फरवरी को सुल्तानपुर ब्रजवासी कॉलोनी निवासी एक महिला ने बताया था कि उनका स्विगी खाता हैक कर ऑनलाइन ऑर्डर किए गए हैं। स्विगी से जुड़े उसके खाते का उपयोग करके 97 हजार 197 रुपये का सामान ऑर्डर कर दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने जांच की तो मोबाइल नंबर की लोकेशन गुरुग्राम के सेक्टर सात में मिली। वहां छापेमारी कर दो जालसाज को गिरफ्तार कर लिया।

दक्षिणी दिल्ली। साइबर पुलिस ने स्विगी खातों को हैक कर

लोगों से ठगी करने वाले दो जालसाज गिरफ्तार कर लिया। जालसाजों से दो फोन, तीन सिम कार्ड, नौ क्रेडिट व डेबिट कार्ड बरामद किए हैं।
अकाउंट हैक कर किया ऑर्डर
पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि जालसाजों की पहचान ज्योति पार्क गुरुग्राम निवासी अनिकेत कालरा और देवी लाल कालोनी गुरुग्राम निवासी हिमांशु कुमार के रूप में हुई। 115 फरवरी को सुल्तानपुर ब्रजवासी कॉलोनी निवासी एक महिला ने बताया था कि उनका स्विगी खाता हैक कर ऑनलाइन ऑर्डर किए गए हैं। स्विगी से जुड़े उसके खाते का

उपयोग करके 97 हजार 197 रुपये का सामान ऑर्डर कर दिया। इसके बाद उसके खाते से 97 हजार 197 रुपये कट गए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने जांच की तो मोबाइल नंबर की लोकेशन गुरुग्राम के सेक्टर सात में मिली। वहां छापेमारी कर दो जालसाज को गिरफ्तार कर लिया।
आरोपित ऐसे करते थे खेल
जालसाजों से दो मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड, नौ क्रेडिट, डेबिट कार्ड एक आधार कार्ड बरामद किया है। पृष्ठताछ में जालसाज अनिकेत कालरा ने बताया कि वह एक कंपनी में डिलीवरी ब्याय के रूप में काम करता था। इसके बाद ऑनलाइन सेलिंग प्लेटफार्म से ऑफर के जरिए कम कीमत पर किराना सामान

खरीदना शुरू कर दिया और फिर उन्हें बाजार में बेचता था।

उसे हर ऑर्डर पर पांच से दस प्रतिशत की बचत होती थी। इसके बाद वह पंजाब निवासी अंश से टेलीग्राम ऐप पर मिला। अंश के पास उन लोगों का डेटा था, जिन्होंने अपने क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग को अपने स्विगी खाते से लिंक किया है।

अंश पीठांटों के स्विगी खाते को हैक करने के बाद उससे सामान आर्डर कर उसे अनिकेत के पास भेजता था। इसके बाद अनिकेत सामान को बाजार में बेचकर 30 प्रतिशत कमीशन अपने पास रखता था और 70 प्रतिशत पंजाब के अंश के पास भेज देता था।



शाहदरा से टपरी के बीच गति क्षमता 100 किलोमीटर प्रति घंटे की है।
130 की स्पीड से ट्रेन चलाने का लक्ष्य
उत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर द्वारा इसे बढ़ाकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा करने की अनुमति मिल गई है। वर्ष 2022 में दिल्ली से नोली- शामली-टपरी होते हुए सहारनपुर रेलखंड का विद्युतीकरण का काम पूरा होने के साथ ही इसकी गति क्षमता बढ़ाने का काम शुरू कर दिया गया था। इस रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन चलाने का लक्ष्य है। इसके लिए ट्रैक में जरूरी सुधार के साथ ही आधुनिक सिग्नल प्रणाली में बदलाव किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के पहले चरण में दिल्ली-शाहदरा से टपरी के बीच 151.25 किलोमीटर रेलखंड की गति सीमा बढ़ाने की अनुमति मिली है। इससे सहारनपुर-मेरठ सिटी-गाजियाबाद रेलखंड पर दबाव कम करने में मदद मिलेगी।
दिल्ली से सहारनपुर के लिए करीब 40 ट्रेन
दबाव कम होने से इस रेलखंड पर भी

ट्रेनों की गति बढ़ाने और उन्हें समय पर चलाने में मदद मिलेगी। ट्रेनों की गति बढ़ने से दिल्ली से सहारनपुर होते हुए पंजाब, उत्तराखंड व अन्य राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों को लाभ होगा। दिल्ली से सहारनपुर के लिए 40 के करीब ट्रेनें चलती हैं। दिल्ली मंडल फरवरी, 2022 में शत प्रतिशत विद्युतीकरण वाला उत्तर रेलवे का पहला मंडल बन गया था। इससे ट्रेनों व मालगाड़ियों की गति बढ़ने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रही है। 11 सौ किलोमीटर से अधिक ट्रैक की गति सीमा बढ़ी है।
700 KM ट्रैक की बढ़ाई गई गति सीमा
उत्तर रेलवे में पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग रेलखंडों पर लगभग सात सौ किलोमीटर ट्रैक की गति सीमा बढ़ाई गई है। इसके साथ ही साढ़े चार सौ किलोमीटर लूप लाइनों की क्षमता 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाई गई है। नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन चलाने के लिए काम चल रहा है।



यूपी के इस जिले में बंद हो जाएंगी बीएस-3 व 4 बसें, जानिए क्या है रोडवेज का अगला प्लान

गाजियाबाद रीजन की एनसीआर में संचालित 500 से अधिक बीएस-3 व 4 बसों का संचालन 30 जून तक पूरी तरह बंद हो जाएगा। सभी बसें बीएस-6 और सीएनजी में बदली जाएंगी। इसके लिए रोडवेज के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम से बसों की डिमांड की है। एनसीआर में प्रदूषण का बड़ा कारण पुरानी बसों (बीएस-3 व 4) के संचालन को माना जा रहा है।

साहिबाबाद। गाजियाबाद रीजन की एनसीआर में संचालित 500 से अधिक बीएस-3 व 4 बसों का संचालन 30 जून तक पूरी तरह बंद हो जाएगा। सभी बसें बीएस-6 और सीएनजी में बदली जाएंगी। इसके लिए रोडवेज के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम से बसों की डिमांड की है। एनसीआर में प्रदूषण का बड़ा कारण पुरानी बसों (बीएस-3 व 4) के संचालन को माना जा रहा है। इसकी रोकथाम के लिए वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग (सीएक्व्यूएम, CAQM) ने बसों को बंद करने के लिए परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ बीते वर्ष अक्टूबर में बैठक की थी। अब बसों को बंद करने का फैसला लिया गया है। इन बसों का संचालन रीजन के एनसीआर व नोन-एनसीआर क्षेत्रों में पूरी तरह बंद किया जाएगा। अगले करीब साढ़े चार माह में इन बसों के स्थान पर बीएस-6 व सीएनजी बसें आएंगी। इसके लिए मुख्यालय से डिमांड की गई है। अधिकारियों का कहना है कि धीरे-धीरे बसें आनी शुरू हो जाएंगी।

फूलों से बनेगा अयोध्या के राम मंदिर का मॉडल 3 दिन तक चलेगा नोएडा खास फ्लावर शो

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि फ्लावर शो इस वजह से भी आकर्षित होगा कि शहर को कचरा मुक्त श्रेणी में पांच स्टार रैंकिंग से सेवन स्टार रैंकिंग में लाने की है। प्राधिकरण उद्यान विभाग द्वारा स्पाट गार्डन श्रेणी में जापानी गार्डन तैयार किया जाएगा। उद्घाटन के अवसर पर पंच वाद्य यंत्र बजाए जाएंगे। शो में फूलों से राम मंदिर का मॉडल बनाया जाएगा।

नोएडा। तीन दिवसीय फ्लावर शो का आयोजन 23 से 25 फरवरी तक नोएडा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस बार फ्लावर शो में बहुत खास होने जा रहा है। इसकी वजह विभिन्न प्रजातियों के फूलों द्वारा निर्मित राम मंदिर मॉडल होगा, जिसमें सैकड़ों प्रजाति के फूलों को लगाया जाएगा। साथ ही हिरन, धनुष एवं अन्य आकर्षण स्कल्पचर को इसे सजाया जाएगा। उद्यान एवं लैंड स्केपिंग प्रतियोगिता, सब्जियों पर नक्काशी

कलर, रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता, पुष्प प्रदर्शनी, बोंसाई, कैक्टस, सकुलैट्स, फॉलिएज एवं सजावटी पुष्पाकृतियां, हैंगिंग बास्केट्स, वटिकल गार्डन, इकेबाना शामिल रहेगा। **तैयार किया जाएगा जापानी गार्डन** नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि फ्लावर शो इस वजह से भी आकर्षित होगा कि शहर को कचरा मुक्त श्रेणी में पांच स्टार रैंकिंग से सेवन स्टार रैंकिंग में लाने की है। इसके लिए घरेलू कचरा को काला सोना (ऑर्गेनिक खाद) में बदलने की विधि को बताया जाएगा। बचपन से ही महत्व समझाने के लिए स्कूली बच्चों को पौध रोपण सिखाया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण उद्यान विभाग द्वारा स्पाट गार्डन श्रेणी में जापानी गार्डन तैयार किया जाएगा। उद्घाटन के अवसर पर पंच वाद्य यंत्र बजाए जाएंगे। इसके बाद सीआरपीएफ बैंड द्वारा प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम 23 और 24 फरवरी को शाम आयोजित किए जाएंगे। इसमें कथक नृत्य, लाफ्टर व कमेडी शो को प्रस्तुत किया जाएगा।

शो में लगेगी 80 से अधिक स्टाल फ्लावर शो में 80 से अधिक स्टाल उद्यान प्रेमियों की ओर लगाए जा रहे हैं। इसमें 38 नर्सरी और कुछ तो कलिम्पोंग और भीमताल से लगाए जा रहे हैं। बीज, खाद, पौध, खेती के औजार, उद्यान



का सजावटी सामान, कीटनाशक गमले यहां लाए जा रहे हैं। इसके अलावा अब तक 3500 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। कुल 4000 हजार से ज्यादा प्रजाति के पुष्प शामिल किए गए हैं।

इसमें कैक्टस, बोंसाई, फलों एवं सब्जियों के अलावा उत्तर रेलवे, नई दिल्ली म्यूनिसिपल कार्पोरेशन, दक्षिण दिल्ली म्यूनिसिपल कार्पोरेशन, भारतीय थल सेना, कोटा हाउस,

भारत पेट्रोलियम, एलजी, एडोब सिस्टम, एनआइआईटी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण शिरकत करेंगे।

जन्मदिन की पार्टी में दोस्तों के बीच विवाद ने लिया झगड़े का रूप, एक युवक को मार दी गोली

परिवहन विशेष न्यूज
गुरुग्राम में जन्मदिन की पार्टी में दोस्तों के बीच झगड़ा हो गया। यह झगड़ा इतना विकराल हो गया कि एक युवक को गोली मार दी गई। गोली युवक के हाथ में लगी। गोली लगते ही सभी वहां से भाग निकले और घायल मानेसर गांव निवासी संदीप को सेक्टर 87 स्थित सिल्वर स्ट्रीक अस्पताल में दाखिल कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।
गुरुग्राम। मानेसर थाना क्षेत्र के सेक्टर एक स्थित एक रेस्टोरेंट पर गोली चलने का मामला सामने आया है। मानेसर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।
पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान के जयपुर निवासी हर्षदराज कुमावत ने बताया कि वह मानेसर सेक्टर एक स्थित मित्रा रेस्टोरेंट में नौकरी करते हैं। सोमवार रात साढ़े आठ बजे रवि, सोनू, योगेंद्र, नवीन और अन्य युवक जन्मदिन की पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान वह खाना खाने लगे। कुछ देर बाद उनका आपस में झगड़ा हो गया और हाथापाई करने लगे।
गोली युवक के हाथ में लगी
एक युवक जोर-जोर से कहने लगा कि वह



संदीप को जान से मार देगा। उस युवक ने गुस्से में पिस्तौल से एक हवाई फायर किया और फिर दूसरे युवक पर गोली चला दी। गोली युवक के हाथ में लगी। गोली लगते ही सभी वहां से भाग निकले और घायल मानेसर गांव निवासी संदीप को सेक्टर 87

स्थित सिल्वर स्ट्रीक अस्पताल में दाखिल कराया गया।

जान से मारने की धमकी देकर हुए फरार
कुछ समय बाद पांच छह युवक वहां आए और रेस्टोरेंट पर कार्यरत कर्मचारियों के साथ गाली

गलौज किया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मानेसर थाना पुलिस ने रेस्टोरेंट के अंदर व बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली है। थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भूमाफिया से कब्जा मुक्त कराई 1000 वर्ग मीटर जमीन, पांच करोड़ रुपये है कीमत



अपर नगरायुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि मुक्त कराई गई भूमि पर मकान बनाकर कब्जा कर लिया गया था। भूमाफिया ने कुछ क्षेत्र की बाउंड्री भी कर ली गई थी। उन्होंने बताया कि नगर निगम लगातार निगम की भूमि को कब्जा मुक्त करा रहा है। जहां भी कब्जा है वहां अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को इसके लिए कड़े निर्देश दिए गए हैं।

साहिबाबाद। मोहनगर जोन में नगर निगम की टीम ने बुधवार को भूमाफियाओं से जमीन कब्जा मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया। विरोध के बाद भी कार्रवाई करते हुए करहेड़ा गांव में करीब 1000 वर्ग मीटर जमीन

को कब्जा मुक्त कराया गया। जमीन की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। अपर नगरायुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि मुमुक्त कराई गई भूमि पर मकान बनाकर कब्जा कर लिया गया था। भूमाफिया ने कुछ क्षेत्र की बाउंड्री भी कर ली गई थी। इसे ध्वस्त करते हुए खसरा संख्या-2067, 2068, 2122, 2123 व 2125 को कब्जा मुक्त कराया गया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम लगातार निगम की भूमि को कब्जा मुक्त करा रहा है। जहां भी कब्जा है, वहां अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को इसके लिए कड़े निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर संपत्ति प्रभारी पल्लवी सिंह, जौनल प्रभारी सुनील राय आदि मौजूद रहे।

संतों और समाज सुधार की महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है

नरेंद्र मोदी
संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था।
जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके जन्म जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।
आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डॉगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पत्त मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रशंसा भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सीमा दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने

वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रस्तुत किया है।
भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है।
संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।
करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी

दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।
वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सान्निध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया।
शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था।
संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो रिकल डवलपमेंट और इन्वेंशन पर अपना ध्यान केन्द्रित



करें।
आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे।
संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने।
संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े

परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी। स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप, दोनों से स्वस्थ रह सकें।
मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह

है।' , इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए।
आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। ये गुण एक न्यायपूर्ण, करुणामयी और समृद्ध समाज के लिए आवश्यक हैं। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है।
ऐसे कालखंड में जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब संत शिरोमणि आचार्य जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है। उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्त्व दिया। उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर भी बल दिया। मुझे विश्वास है कि वो नमो द्रोन दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होंगे।
संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी, देववासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ना सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

आईवूमी अपने सभी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स पर दे रही 10 हजार रुपये तक का डिस्काउंट, मॉडलों पर मिलेगी इतनी छूट

iVoomi ने अपनी पूरी इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज पर 10 हजार रुपये तक के ऑफर और छूट की घोषणा की है। JeetX की कीमत में 10000 रुपये की भारी कटौती हुई है और अब इसकी कीमत 89999 रुपये (एक्स-शोरूम) हो गई है। वहीं iVoomi S1 और iVoomi S1 2.0 को कुल 5000 रुपये की छूट के साथ खरीद जा सकता है।

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता, iVoomi ने अपनी पूरी इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज पर 10 हजार रुपये तक के ऑफर और छूट की घोषणा की है। ये ऑफर iVoomi JeetX तक एक्सटेंडेड है, जिस पर अधिकतम 10,000 रुपये तक की छूट उपलब्ध है। वहीं, iVoom S1 और S1 2.0 पर 5 हजार रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि ये ऑफर केवल 31 मार्च 2024 तक उपलब्ध है। आइए, पूकी रेंज पर उपलब्ध डिस्काउंट के बारे में जान लेते हैं।

iVoomi JeetX
iVoomi JeetX की कीमत में 10,000 रुपये की भारी कटौती हुई है और



अब इसकी कीमत 89,999 रुपये (एक्स-शोरूम) हो गई है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर हार्डवेयर के मामले में समान है और 65 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड के साथ आता है। आप इसे 5 कलर ऑप्शन में खरीद सकते हैं।

iVoomi S1

iVoomi S1 पर 5,000 रुपये की छूट मिलती है और अब ये 79,999 रुपये (एक्स-शोरूम) पर उपलब्ध है। कंपनी का ये बजट-फ्रेंडली Electric Scooter 57 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड के साथ 120 किमी की क्लेम्ड रेंज प्रदान करता है। मॉडल को दो घंटे में 0-

50 फीसदी तक चार्ज किया जा सकता है।

iVoomi S1 2.0
iVoomi S1 2.0 इलेक्ट्रिक स्कूटर पर भी 5,000 रुपये की छूट दी जा रही है और अब इसकी कीमत 82,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है। मॉडल एक बार चार्ज करने पर 110 किमी क्लेम्ड राइडिंग रेंज

का वादा करता है और छह रंगों में उपलब्ध है। अभी हाल ही में iVoomi ने मौजूदा ग्राहकों के लिए अपने ई-स्कूटर को ब्ल्यूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन सहित क्लाउड-कनेक्टेड सर्विस के साथ 2,999 रुपये के प्रीमियम पर अपग्रेड करने के विकल्प की घोषणा की है।

मेड इन इंडिया Aprilia RS 457 यूके में लॉन्च, भारत के मुकाबले इतनी बढ़ गई कीमत

Aprilia ने UK में अपनी प्रीमियम स्पोर्टबाइक RS 457 को लॉन्च कर दिया है। नई Aprilia RS 457 को इटली के नोआले स्थित अप्रिलिया के हेड क्वार्टर में डिजाइन और डेवलप किया गया है और इसे यूके में A2 लाइसेंस धारकों के लिए लक्षित किया गया है। ये फुल-फेयर्ड मोटरसाइकिल Kawasaki Ninja 500 Yamaha R3 और KTM RC 390 को टक्कर देगी।

नई दिल्ली। Aprilia ने UK में अपनी प्रीमियम स्पोर्टबाइक RS 457 को लॉन्च कर दिया है। आपको बता दें कि Aprilia RS 457 की वैश्विक शुरुआत पिछले साल हुई थी और इसे पिछले साल दिसंबर में भारत में लॉन्च किया गया था। ये बाइक देश में महाराष्ट्र के पियाजियो की बारामती फैसिलिटी में बनाई गई है। उत्तरी अमेरिका, यूरोप और अब यूके सहित विदेशी बाजारों में इसे एक्सपोर्ट किया जाएगा।

Aprilia RS 457 की डिजाइन
नई Aprilia RS 457 को इटली के नोआले स्थित अप्रिलिया के हेड क्वार्टर में डिजाइन और डेवलप किया गया है और इसे यूके में A2 लाइसेंस धारकों के लिए लक्षित किया गया है। ये फुल-फेयर्ड मोटरसाइकिल Kawasaki Ninja 500, Yamaha R3 और KTM RC 390 को टक्कर देगी। इसे सिग्नेचर एलईडी डीआरएल, शार्प-स्टाइल फेयरिंग और 5-इंच टीएफटी स्क्रीन के साथ एक मिनी आरएस 660 की तरह दिखाता है।

इंजन
अप्रिलिया आरएस 457 को पावर देने



के लिए 457 सीसी पैरेलल-ट्विन, लिक्विड-कूल्ड मोटर दिया जाता है, जो 47 बीएचपी की शक्ति और 43.5 एनएम पीक टॉर्क दिया जाता है। इंजन को स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, जबकि कंपनी एक विकल्प के रूप में बाई-डायरेक्शनल क्लचिंग प्रदान करती है। बाइक में आगे यूसएडी फोक्स और पीछे एक मोनोशॉक का इस्तेमाल किया गया है, जबकि ब्रेकिंग परफॉर्मेंस डुअल-चैनल एबीएस के साथ दोनों छोर पर डिस्क ब्रेक से आती है।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन
अन्य फीचर्स की बात करें, तो इसमें एलईडी लाइटिंग, मल्टीपल राइडर मोड, ट्रैक्शन कंट्रोल, डुअल-चैनल एबीएस और एंटी-रोल सिस्टम शामिल है। आरएस 457 में 17 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं और इसका वजन 175 किलोग्राम है।

प्राइस
अप्रिलिया आरएस 457 की कीमत 6,500 पाउंड (लगभग ₹6.79 लाख) है, जो इसे भारतीय कीमतों से काफी अधिक महंगा बनाती है। इसकी तुलना में, भारत में मोटरसाइकिल की कीमत 4.10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। अप्रिलिया आरएस 457 विशेष रूप से देश भर में मोटोप्लेक्स डीलरशिप पर उपलब्ध है और वैश्विक स्तर पर तीन रंगों में उपलब्ध है।

जावा येजदी मोटरसाइकिल ने जयपुर और लखनऊ में शुरू किया मेगा सर्विस कैंप

Jawa Yezdi Motorcycles देशभर में सर्विस कैंप चला रही है। 2019 और 2020 के बीच निर्मित मोटरसाइकिलें कंप्रेसिव व्हीकल हेल्थ और चुनिंदा पार्ट्स के फ्री रिप्लेसमेंट करा सकती हैं। इसके अलावा मोटुल अमरॉन और सिफ्ट टायर्स जैसे ओईएम पार्ट प्रोवाइडर भी इस सर्विस कैंप में भाग ले रहे हैं। हेल्थ चेकअप और पार्ट्स को फ्री में बदलने के अलावा एक्सटेंडेड वारंटी भी प्रदान की जा रही है।

नई दिल्ली। Jawa Yezdi Motorcycles देशभर में सर्विस कैंप चला रही है। वे पहले ही कोचीन, कालीकट और केरल में इसकी मेजबानी कर चुके हैं। ब्रांड ने अब घोषणा करते हुए कहा है कि वे जयपुर और लखनऊ में सर्विस कैंप लाएंगे। जे जयपुर में 23 फरवरी से 25 फरवरी तक और लखनऊ में

29 फरवरी से 3 मार्च तक होगा।

सर्विस कैंप में मिलेगी ये सुविधाएं
2019 और 2020 के बीच निर्मित मोटरसाइकिलें कंप्रेसिव व्हीकल हेल्थ और चुनिंदा पार्ट्स के फ्री रिप्लेसमेंट करा सकती हैं। इसके अलावा मोटुल, अमरॉन और सिफ्ट टायर्स जैसे ओईएम पार्ट प्रोवाइडर भी इस सर्विस कैंप में भाग ले रहे हैं। हेल्थ चेकअप और पार्ट्स को फ्री में बदलने के अलावा, Jawa Yezdi Motorcycles की ओर से एक्सटेंडेड वारंटी भी प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, अपनी मोटरसाइकिलों को अपग्रेड करने में रुचि रखने वाले मालिकों के लिए एक्सचेंज वैल्यू की सुविधा भी है।

कंपनी ने क्या कहा?
अब तक सर्विस कैंप को ग्राहकों से जबरदस्त रिसॉन्स मिला है। जावा येज्दी मोटरसाइकिल के सीईओ आशीष सिंह जोशी ने देश भर में मेगा सर्विस कैंप के विस्तार को

लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा- हम देश भर में अपने मेगा सर्विस कैंप की पहुंच को व्यापक बनाने के लिए रोमांचित हैं। केरल में उत्कृष्ट प्रतिक्रिया ने हमें अपने साथ जुड़ने की अनुमति दी है। मूल्यवान ग्राहक, जो हमारे प्रोडक्ट्स और प्रक्रियाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Jawa 350 हाल ही में हुई पेश
आपको बता दें कि क्लासिक लीजेंड्स ने हाल ही में भारतीय बाजार में जावा 350 लॉन्च की है, जो लाइनअप में जावा जावा की जगह लेता है। इसकी कीमत 2.15 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। इसमें 334 सीसी, लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो 22 बीएचपी की अधिकतम पावर और 28.2 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। नया इंजन स्लिपर और असिस्ट क्लच के साथ 6-स्पीड ट्रांसमिशन से जुड़ा है।



महिंद्रा ने स्कोर्पियो एक्स ट्रेडमार्क को कराया रजिस्टर, मार्केट में एंट्री मारेगा स्कोर्पियो एन बेस्ड पिकअप ट्रक



Mahindra ने अगस्त 2023 में आधिकारिक तौर पर Global Pik Up कॉन्सेप्ट को पेश किया था और जल्द ही इसके प्रोडक्शन रेडी वरिएंट को देखा जा सकता है। हालांकि अभी तक से साफ नहीं है कि कंपनी इस पिकअप का नाम Scorpio X ही रखने वाली है। महिंद्रा इंडिया डिजाइन स्टूडियो (MIDS) में डिजाइन किया गया ये मॉडल अपने डोनर Scorpio N से काफी मिलता-जुलता है।

नई दिल्ली। Mahindra & Mahindra जल्द ही भारतीय बाजार में अपना पिकअप ट्रक ला सकती है। कंपनी ने हाल ही में Scorpio X के नाम से एक ट्रेडमार्क रजिस्टर कराया है। उम्मीद है कि ये Mahindra Scorpio N पर आधारित होगी।

Scorpio X जल्द मारेगा एंट्री?
Mahindra ने अगस्त 2023 में

आधिकारिक तौर पर Global Pik Up कॉन्सेप्ट को पेश किया था और जल्द ही इसके प्रोडक्शन रेडी वरिएंट को देखा जा सकता है। हालांकि अभी तक से साफ नहीं है कि कंपनी इस पिकअप का नाम Scorpio X ही रखने वाली है।

डिजाइन और डायमेंशन
महिंद्रा इंडिया डिजाइन स्टूडियो (MIDS) में डिजाइन किया गया ये मॉडल अपने डोनर Scorpio N से काफी मिलता-जुलता है। विशेष रूप से समान हेडलाइट, बोनट, फेंडर और फ्रंट डोर के साथ इसका फ्रंट डिजाइन स्कोर्पियो एन जैसा है।

इसके साइड प्रोफाइल की बात करें, तो वाहन में एक स्नोकेल, नए डिजाइन किए गए अलॉय व्हील, हाई सस्पेंशन, रूफ रेल, एलईडी लाइट बार और साइड स्टेप्स हैं। इसमें एक बड़ा सा लोडिंग बे स्पेस भी है। पीछे की प्रोफाइल पर जाने पर, एलईडी टेल लाइट्स और एक स्ट्रॉंग बम्पर डिजाइन देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, ये एक नई पीढ़ी के सीडी फ्रेम प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा, जिसे जीएनसीएपी जैसे सिक्योरिटी टेस्टिंग में अच्छे नंबर मिले हैं।

इंजन और गियरबॉक्स
नया पिकअप संभवतः समान पेट्रोल और डीजल इंजन के साथ आएगा। इसे 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन या 6-स्पीड एटी के साथ जोड़ा जाएगा। इसमें शिफ्ट-ऑन-द-फ्लाई कैपेसिटी के साथ 4WD की सुविधा भी होगी, जो विभिन्न इलाकों में बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करती है।

फीचर्स
आगामी मॉडल में Lavel-2 ADAS, ट्रेलर स्वे मॉनिगेशन, ड्रांजी ड्राइवर डिटेक्शन, 5G कनेक्टिविटी और सनरूफ सहित कई नए फीचर्स मिलेंगे। संभावित रूप से अगले साल लॉन्च होने Mahindra का ये Pick-Up Truck भारतीय बाजार में पहले से मौजूद Isuzu V-Cross और Toyota Hilux को टक्कर देगा।

क्रिकेटर अंजिक्या रहाणे ने खरीदी 3 करोड़ की लगजरी कार, जानिए खासियत और स्पेसिफिकेशन



इंडियन क्रिकेटर Ajinkya Rahane ने अपने गैरराज में नई गाड़ी को जगह दी है। रहाणे ने हाल ही में Mercedes-Maybach GLS 600 को खरीदा है। रहाणे की मेबैक जीएलएस पोलर व्हाइट रंग में तैयार की गई है जो एसयूवी के लिए एक अलग विकल्प है। ये लगजरी एसयूवी मशहूर हस्तियों के बीच काफी लोकप्रिय है और व्हाइट कलर निश्चित रूप से कार को अलग दिखाने में मदद करता है।

नई दिल्ली। इंडियन क्रिकेटर Ajinkya Rahane ने अपने गैरराज में नई गाड़ी को जगह दी है। रहाणे ने हाल ही में Mercedes-Maybach GLS 600 को खरीदा है और इसकी तस्वीरें डीलरशिप द्वारा साझा की गई हैं। मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 ऑटोमेकर की सबसे शानदार लक्जरी एसयूवी है और विकल्पों के आने से पहले इसकी कीमत 2.96 करोड़

रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

Mercedes-Maybach GLS 600 में क्या खास?
रहाणे की मेबैक जीएलएस पोलर व्हाइट रंग में तैयार की गई है, जो एसयूवी के लिए एक अलग विकल्प है। ये लगजरी एसयूवी मशहूर हस्तियों के बीच काफी लोकप्रिय है और व्हाइट कलर निश्चित रूप से कार को अलग दिखाने में मदद करता है। मेबैक जीएलएस स्टैंडर्ड मर्सिडीज-बेंज जीएलएस पर आधारित है, हालांकि इसमें कई अंतर भी हैं। इसे एक स्पेसिफिक क्रोम-आउट ग्रिल, एलईडी हेडलैंप और 22 इंच के अलॉय व्हील मिलते हैं। एसयूवी के बोनट और बो-पिलर पर मेबैक बैज भी दिया गया है।

इंटीरियर
मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस को पैकेज के आधार पर 4 या 5 सीटों के रूप में पेश किया जाता है। इसे नप्पा लेदर अपहोलस्ट्री, पैनोरमिक

सनरूफ, मसाज और वेंटिलेशन के साथ रिक्लाइनिंग सीट्स के साथ प्रीमियम इंटीरियर दिया गया है। सेकंड रो में एक्सटेंडेड फोल्डिंग टेबल के साथ एक इनबिल्ट रेफ्रिजरेटर भी है।

स्पेसिफिकेशन
Mercedes-Maybach GLS 600 को पावर 4.0-लीटर बाई-टर्बो वी8 इंजन से मिलती है, जो 542 बीएचपी और 730 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। इंजन में EQ बूस्ट 48-वोल्ट माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम भी मिलता है, जो 21 bhp और 250 Nm का पीक टॉर्क जोड़ता है।

मोटर को 9-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है, जो स्टैंडर्ड रूप से 4MATIC ऑल-व्हील ड्राइव के साथ सभी चार पहियों पर पावर भेजता है। मेबैक जीएलएस 250 किमी प्रति घंटे की टॉप-स्पीड के साथ 4.9 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है।

स्कूली शिक्षा की फंडिंग बढ़े



डा. वरिंद्र भाटिया

एक फरवरी को संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 में 47.66 लाख करोड़ रुपए के कुल व्यय का अनुमान लगाया है।यह इस वित्तीय वर्ष में सरकार के कुल खर्चों का एक अनुमान है।

हमारे राज्य भी शिक्षा पर काफी राशि खर्च करते हैं, लेकिन इस राशि को तार्किक तरीके से खर्च किए जाना नदारद पाया जाता है और काफी पैसे बेफिजूल खर्च किए जाते हैं। डिजिटल शिक्षा के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, आज के शिक्षार्थियों की गतिशील जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा में प्रौद्योगिकी की कमी ने असंख्य चुनौतियां पैदा की हैं जो सीखने की प्रक्रिया की प्रभावशीलता, पहुंच और अनुकूलनशीलता में बाधा उत्पन्न करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में, शैक्षिक ऐप्स शिक्षा के सभी पहलुओं में एक महत्वपूर्ण घटक बन गए हैं, चाहे वह परीक्षा की तैयारी हो या उच्च शिक्षा क्षेत्र। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी का विकास जारी है, शैक्षिक ऐप्स शिक्षा, प्रौद्योगिकी अपनाने और कौशल विकास के विभिन्न पहलुओं में योगदान देकर डिजिटल भारत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमें देश में डिजिटल शिक्षा पर प्रोत्साहित करने के लिए निवेश में वृद्धि की और अधिक जरूरत है।

एक फरवरी को संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 में 47.66 लाख करोड़ रुपए के कुल व्यय का अनुमान लगाया है। यह इस वित्तीय वर्ष में सरकार के कुल खर्चों का एक अनुमान है। बजट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 में उधार को छोड़कर सरकार की कुल प्राप्तियां 30.80 लाख करोड़ रुपए की होंगी। स्कूल, कॉलेज, हायर एजुकेशन और रोजगार के अवसर को लेकर देश के युवाओं को इस 2024-25 के शिक्षा बजट से काफी उम्मीदें उठा रहे हैं। पिछले वर्षों के शिक्षा बजट काफी उत्साहवर्धक रहे हैं। साल 2020 में नई शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव देखे गए हैं। यही वजह है कि पिछले दो सालों में शिक्षा बजट में काफी बढ़ोतरी देखी गई। पिछले दो-तीन वर्षों के शिक्षा बजट देखें तो वर्ष 2023 में एजुकेशन सेक्टर के लिए सरकार ने 112899 करोड़ रुपए का आवंटन किया था, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत से अधिक था। इस बजट में सरकार ने 44095 करोड़ रुपए के लिए 38000 से अधिक शिक्षक भर्ती का ऐलान किया। इस बजट में स्कूली शिक्षा के लिए 68805 करोड़ रुपए आवंटित किए गए और उच्च शिक्षा के लिए 44095 करोड़ दिए गए। समग्र शिक्षा अभियान के लिए सरकार ने 37453 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। वर्ष 2022 के बजट



में एजुकेशन सेक्टर के लिए 1.04 लाख करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया। यह वास्तविक खर्च के मुकाबले 18.5 प्रतिशत अधिक था। इस बजट में सर्वाधिक स्कूली शिक्षा के लिए 63449.37 करोड़ रुपए दिए गए, वहीं उच्च शिक्षा के लिए 40828 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में लगभग 40 मिलियन छात्र नामांकित हैं, जिनका लगभग नामांकन अनुपात (जीईआर) सफल 27 फीसदी है। इसकी तुलना में अमरीका में जीईआर 88 फीसदी, जर्मनी में 70, यूके में 61, ब्राजील में 51 और चीन में 49 फीसदी है। यहां तक कि भारत का यह मामूली जीईआर भी मुख्य रूप से निजी क्षेत्र के निवेश के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 संस्थानों के महत्वपूर्ण विस्तार के कारण है। हालांकि जनसंख्या वृद्धि की तुलना में मंडल आयोग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए हालिया कोटा के कारण हुई कुछ वृद्धि को छोड़कर, हमारे शीर्ष गुणवत्ता वाले संस्थानों में छात्र संख्या में वृद्धि स्थिर बनी हुई है। परिणामस्वरूप, आज गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। आईआईटी में प्रवेश की संभावना 100 में से एक पर बनी हुई है। उदाहरण के लिए 23 आईआईटी संयुक्त रूप से हर साल लगभग 16500 स्नातक छात्रों को प्रवेश देते हैं, जबकि एक बड़ा सार्वजनिक वित्त पोषित विश्वविद्यालय अमरीका में लगभग 20000 को प्रवेश देता है। हालांकि भारत ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नए संस्थान स्थापित करने में प्राप्ति की है, लेकिन स्थापित

संस्थानों की संख्या बढ़ाने का उसका रिकॉर्ड उम्मीदों से कम बना हुआ है। इसका मुख्य कारण सरकार द्वारा मौजूदा संस्थानों को ब्लॉक अनुदान प्रदान करने का तरीका और उसके वित्तीय मॉडल की कमी है। शिक्षा को लेकर इस बार का बजट सकारात्मक तो है, लेकिन कई स्थानों पर आबंटन और बेहतर किए जाने की जरूरत है। इस बार स्कूली शिक्षा के बजट में 500 करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि की गई है, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए अनुदान पिछले वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान (आरई) से 9600 करोड़ रुपए से अधिक कम कर दिया गया है।

स्कूली शिक्षा का बजट 72473.80 करोड़ रुपए (आरई) से बढ़कर 73008.10 करोड़ रुपए हो गया है। हालांकि, उच्च शिक्षा का बजट 57244.48 करोड़ रुपए (आरई) से घटकर 47619.77 करोड़ रुपए हो गया है। अंतरिम बजट पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2014 के बाद से बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा के नए संस्थान, सात आईआईटी, 16 आईआईआईटी, सात आईआईएम, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं, जबकि 3000 नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं। 2024-25 के अंतरिम बजट में, यूजीसी के लिए फंडिंग को पिछले वर्ष के 6409 करोड़ रुपए से घटकर 2500 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो 60.99 प्रतिशत की गिरावट है। आईआईएम को लगातार दूसरे साल बजट में कटौत का सामना करना पड़ा है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए सहायता अनुदान में 28 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। केंद्रीय

विश्वविद्यालयों का बजट 12000.08 करोड़ रुपए के आरई से बढ़ाकर 15472 करोड़ रुपए कर दिया गया है। यह एक बेहतर कदम है। शिक्षा देश के विकास के लिए प्राणवायु है। अनुत्पादक खर्चों पर लगाम लगाते हुए शिक्षा पर जितना ज्यादा पैसा निवेश किया जाए, थोड़ा है। अनेक देश हमारे देश के कुल बजट से भी ज्यादा शिक्षा पर आबंटित करते हैं। हमारे राज्य भी शिक्षा पर काफी राशि खर्च करते हैं, लेकिन इस राशि को तार्किक तरीके से खर्च किए जाना नदारद पाया जाता है और काफी पैसे बेफिजूल खर्च किए जाते हैं। डिजिटल शिक्षा के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, आज के शिक्षार्थियों की गतिशील जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी का एकीकरण अनिवार्य हो गया है। शिक्षा में प्रौद्योगिकी की कमी ने असंख्य चुनौतियां पैदा की हैं जो सीखने की प्रक्रिया की प्रभावशीलता, पहुंच और अनुकूलनशीलता में बाधा उत्पन्न करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में, शैक्षिक ऐप्स शिक्षा के सभी पहलुओं में एक महत्वपूर्ण घटक बन गए हैं, चाहे वह परीक्षा की तैयारी हो या उच्च शिक्षा क्षेत्र। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी का विकास जारी है, शैक्षिक ऐप्स शिक्षा, प्रौद्योगिकी अपनाने और कौशल विकास के विभिन्न पहलुओं में योगदान देकर डिजिटल भारत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमें देश में डिजिटल शिक्षा पर प्रोत्साहित करने के लिए निवेश में वृद्धि और अधिक जरूरत है। इस बार के बजट में डिजिटल शिक्षा पर निवेश में वृद्धि की बात की गई है, जो कि बेहतर कदम है।

संपादक की कलम से

बहस के मजमून बहुत हैं

बजट के मजमून अब विपक्ष की कचहरी में गूँजने लगे, तो प्रदेश की चिंताएं समझी जानी चाहिए। हालांकि बजट ने जनप्रतिनिधियों की खुशामद में वार्ड पंच से जिला परिषद तक सदस्यों के मानदेय को बढ़ा दिया या विधायक प्राथमिकता निधि को सींच दिया, लेकिन विपक्ष के पास पूछने और आपत्ति लगाने के लिए मजमून बहुत हैं। कुछ प्रश्नों की तासीर में महज विरोध है, तो कहीं जानकारियों के गुंबद तक गूँज पहुंच रही है। उदाहरण के लिए नाचन के विधायक ने सरकार से यह जानकारी ले ली कि प्रदेश में वैट लीजिंग पर 18 वोल्टेज बसें आज भी चल रही हैं, लेकिन इनसे जुड़े कई सवाल अभी बाकी हैं। वैट लीजिंग के आधार पर गुणवत्ता के प्रश्न अगर पूछे जाएं तो वोल्तेज बस सेवाओं का नाम बदनमा हो रहा है। पर्यटक स्थलों या एयरपोर्ट के लिए चल रही ऐसी बसों का हुलिया क्यों यात्री को नियास कर रहा है। प्रदेश में निजी वोल्तेज सेवाओं के आगे एचआरटीसी क्यों हार रही, इसका भी तो जवाब चाहिए। बजट सत्र के माध्यम से हम प्रदेश, प्रदेश की प्राथमिकताएं, सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व, सत्ता के विभिन्न पहलू और इनमें चमकते विधानसभा क्षेत्रों के इरादे देख सकते हैं। बहस से नीतियों के आगोश में बैठे सपने और सपनों का प्रदेश दिखाई देता है। ऐसे ही एक प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर जब बताते हैं कि सुजानपुर के कालेज में पीजी कक्षाएं शुरू हो जाएंगी, तो सवाल यह कि मटौर या लंज के कालेज में क्यों नहीं। हम हर कालेज को पोस्ट ग्रेजुएट बना देंगे, लेकिन छात्र को अध्ययन के कक्ष में शायद ही स्तरोन्नत कर पाएंगे। हिमाचल में विश्वविद्यालयों, मेडिकल कालेजों और इंजीनियरिंग कालेजों की बाढ़ के बावजूद हमने हासिल क्या किया। एक प्रदेश जिसकी प्रति व्यक्ति आय देश की औसत से ऊपर और जो देश के प्रमुख राज्यों की कतार में कई गरीब प्रांत नहीं है, लेकिन सरकार के आचरण में हम गरीबी का

कालीन विछाकर सरकारी धन से दस्तकारी कर रहे हैं। हैरानी यह कि पक्ष और विपक्ष के बीच गारंटियों की तकरार पर प्रदेश का भविष्य देखा जा रहा है, जबकि आत्मनिर्भरता के सवाल पर यह क्यों न पूछा जाए कि इस दरिवादिली की जरूरत क्या है।

महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए देने की गारंटी पूरी की जाए या हिमकेयर के भुगतान को बजट तुरंत पूरा करे। प्रदेश की प्राथमिकताओं में कब पक्ष-विपक्ष के सुर एक होंगे। बेशक हर विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र के हित में प्रश्न पूछने होंगे, लेकिन प्रदेश के सवालों का नेतृत्व कौन करेगा। आपदा ने पिछले बजट के कई तहखानों में सिर छुपाने की कोशिश की, लेकिन वहां राज्य के वित्तीय आचरण में इसके लिए कोई जगह नहीं थी। आज भी एफसीए केसों में हमारा विकास फंसा है, लेकिन राजनीतिक कारणों से कभी यह सोचा ही नहीं गया कि पर्यावरण एवं वन संरक्षण कानून के नाम पर प्रदेश से हो रही ज्यादातियों के लिए क्या करें। इस दौरान हिमाचल के हक अगर आज केवल कांग्रेस की थाली में गिने जाएं, तो कल भाजपा की अमानत भी हो सकते हैं। कभी तो विधानसभा की बहस केंद्र से उलझें हिमाचल के मामलात पर एकजुटता से आगे बढ़ने के मतैक्य में ढूंढा जाए। बेशक विपक्ष ठेकेदारों की पैमेंट पर संजीदा होकर सरकार से पूछ रहा है, लेकिन सरकारी निर्माणों की गुणवत्ता पर कब दोनों पक्ष गंभीरता से विचार करेंगे। दरअसल प्रदेश की प्रगति में कई माफियाओं के घर बन रहे हैं। एक नया समुदाय हिमाचल की आन, बान, शान का प्रतीक हो रहा है। इसमें सफल राजनीतिज्ञ, नौकरशाह और सरकार के कारिंदे हर सत्ता में पैदा हो रहे हैं। आज भी हिमाचल की आय का छबील लोगों को शराब पिला रहा है और इसी की वजह से मिल्क सैस 90 करोड़ की उगाही कर रहा है। हमारे बजट की अदालत में स्वावलंबन का पक्ष सिद्ध होगा।

राय एमएसपी प्रस्ताव खारिज

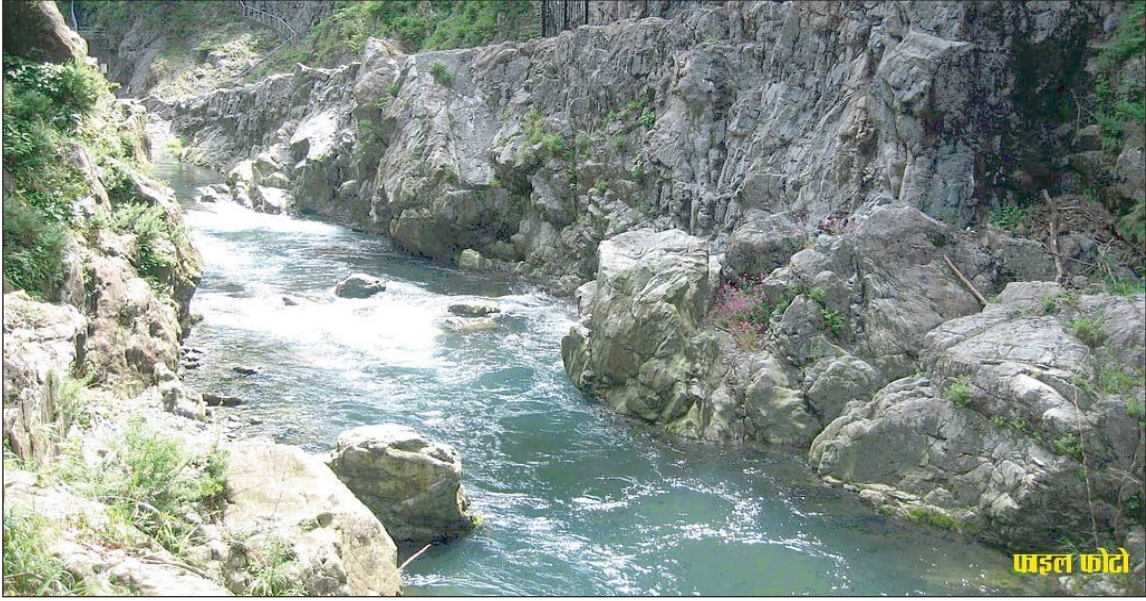
किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें दलहन, कपास, मक्की, उड़द और अरहर की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का आश्वासन दिया गया था। फसलों की मात्रा की कोई सीमा तय नहीं की गई थी। कृषि मंत्री समेत तीन केंद्रीय मंत्रियों ने 100 फीसदी एमएसपी पर सरकारी खरीद का प्रस्ताव दिया था। किसानों की अस्वीकृति निराशाजनक और नकारात्मक है। चूंकि पंजाब के ज्यादातर किसान आर्गेनिक हैं और अब हरियाणा के कुछ किसान भी सुगन्धुग रहे हैं, लिहाजा वे गेहूं और धान समेत 23 फसलों के एमएसपी की गारंटी मांग रहे हैं। दालें, मक्की, कपास ऐसी फसलें हैं, जिनमें गेहूं, धान, गन्ने की तुलना में पानी की कम खपत होती है। पंजाब में भूजल की स्थिति संकट में है। केंद्र सरकार ने यह प्रस्ताव फसलों के विविधीकरण के तहत दिया था और 5 साल के लिए अनुबंध करने को भी वह तैयार थी, लेकिन किसानों ने इसे 'गुमराहपूरा' करार दिया। किसानों के आरोप हैं कि एमएसपी की गारंटी पर अब भी केंद्र सरकार गंभीर नहीं है और वक्त गुजारने की कोशिश कर रही है। नतीजतन किसान संगठनों ने 21 फरवरी को 'दिल्ली कूच' का आह्वान नए सिरे से किया है। अब भाजपा नेताओं के घरों के बाहर धरने दिए जाएंगे और व्यापक स्तर पर विविध-प्रदर्शन भी किए जाएंगे। पंजाब और हरियाणा ही नहीं, बल्कि मप्र और तेलंगाना के किसानों की भी शिकायत रही है कि उन्हें मक्की, दलहन, तेल-बीज, कपास आदि फसलों पर कोई खास प्रोत्साहन नहीं दिया जाता। एमएसपी पर खरीद में भी कड़े विमर्शिया हैं। सरकार ने जो प्रस्ताव दिया था, वह पंजाब, हरियाणा के किसानों के लिए सटीक फार्मूला नहीं है, क्योंकि वे प्रांतिगत विविधता नाण्य ही पैदा करते हैं। मप्र, गुजरात, कर्नाटक, बंगाल आदि राज्यों के किसान प्रस्तावित फसलों की पैदावार अधिक करते हैं। इन फसलों की बिक्री के लिए सरकार के पास कोई निश्चित 'दुकान' भी नहीं है, लिहाजा पैकड और कोलन के पारेपरान आफ इंडिया जैसी सरकारी एजेंसियों को खरीदी हुई फसलों को बाजार में ही बेचना पड़ता है। यदि कोई नुकसान होता है, तो उसे भारत सरकार की वह नहन करना पड़ता है। गौरतलब है कि जिन फसलों पर एमएसपी प्रस्तावित है, उनमें 7 फीसदी जमींदार यादगार किसानों के पास फीसदी है, जबकि करीब 50 फीसदी किसान बागवानी, पशुपालन आदि में जुटे हैं। हरी सब्जियों, फल, दूध आदि पर कोई एमएसपी नहीं है। एमएसपी के दायरे में आलू, प्याज, टमाटर भी नहीं हैं, जिनके किसान औने-पौने दाम मिलने के कारण प्रलाप करते रहे हैं या अपनी फसलों को सड़कों पर फेंकते रहे हैं। क्या वे सभी किसान नहीं हैं? गौरतलब यह भी है कि एमएसपी वाली फसलों की विकास-दर मात्र 1.8 फीसदी है, जबकि बागवानी, पशुपालन, दूध उत्पादन आदि की विकास-दर, बीते 20 सालों के दौरान, 5 से 8 फीसदी रही है। सरकार कृषि पर 5 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी भी देती है। इसमें से 1.88 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी सिर्फ खाद, बीज आदि पर दी जाती है। क्या यह आर्थिक बोझ भारत सरकार पर नहीं है? क्या परोक्ष रूप से यह राशि किसानों को नहीं मिल रही है? दरअसल एमएसपी की व्यवस्था नसीब नहीं है, उन्होंने आज तक किसी भी आंदोलन की हुंकार नहीं भरी है। अर्थव्यवस्था में उन किसानों का अधिक योगदान है। हमारे देश में भूमि का आवंटन और स्वाभिम्व भी काफी अधिक है। बेशक किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें कर्जमुक्त करना हमारा चिंतित सरोकार है, लेकिन एमएसपी से ऐसा संभव नहीं है। आय तभी बढ़ सकती है, जब प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाई जाए। अमरीका, चीन, इंडोनेशिया, ब्राजील आदि देशों की तुलना में हमारी औसत उत्पादकता बहुत कम है।

कुलभूषण उपमन्यु

महा पंचायत समाप्त होने के बाद भीड़ निर्माण स्थल में घुस गई और सोलन पुलिस से टकराव हो गया। निर्माण कार्य को भी क्षति हुई और कुछ लोगों को चोटें भी आईं, जो हिमाचल के शांतिपूर्ण माहौल के लिए चिंता की बात है, जिसकी निंदा करना भी जरूरी है। आंदोलनकारियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए जिसमें जो लोग मौका से दो घंटे पहले ही जा चुके थे, उनके नाम भी एफआईआर दर्ज हो गई है। इस तरह मामले उलझते हैं, सुलझते नहीं। असल में इस अली खडू का पानी डाउन स्ट्रीम आबादी की आवश्यकताओं के लिए भी गर्मियों में कम पड़ जाता है और टैंकर लगा कर लोगों की प्यास बुझानी पड़ती है। ऐसी स्थिति में इस नाले पर नया बोझ डालना युवितसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारतवर्ष में विकास के मेगा प्रोजेक्ट और स्थानीय हितों में टकराव के समाचार रोज कहीं न कहीं से आते ही रहते हैं। यह ठीक है कि कुछ नया बनेगा तो कुछ पुराने को हानि भी डेलनी पड़ेगी, किन्तु जीवन के लिए आवश्यक हवा, पानी और भोजन जैसे संसाधनों पर जब चोट पड़ने लगती है तो मामला चिंतनीय हो जाता है, जिस पर तार्किक रूप से विचार करना जरूरी हो जाता है। किन्तु खेद का विषय है कि आम तौर पर स्थानीय निवासियों के हितों पर परियोजना हितों को वरीयता दी जाती है। इस स्थिति में टकराव शुरू हो जाते हैं, जिनका परिहार यदि तर्क और स्थानीय हितों को ध्यान में रख कर न किया जाए तो मामले बिना वजह ही उलझ जाते हैं और बहुत बार अनावश्यक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाते हैं। कई बार गलत या अधूरी सूचनाओं के कारण भी

मामले उलझ जाते हैं। आजकल बिलासपुर जिला में इसी तरह का आंदोलन अली खडू के पानी को लेकर चल रहा है। आंदोलनकारी तीन सप्ताह से बैठे हैं, किन्तु किसी अर्थपूर्ण संवाद के अभाव में कोई हल निकल नहीं सका है। अनुभव यह बताता है कि शांतिपूर्ण आंदोलनों को जब समय पर सुना नहीं जाता है तो आंदोलन उलझ जाते हैं और कई बार गलत हाथों में चले जाते हैं। इसलिए एक स्वस्थ प्रजातंत्र में लोगों के असहनित के अधिकार का सम्मान करते हुए आंदोलन की बात को जल्दी सुना जाना चाहिए। किन्तु प्रशासन अपनी जिद पूरी करने के लिए मुद्दे की बात समझने के बजाय आंदोलन को लंबा लटका कर लोगों को थका कर आंदोलन को समाप्त करने की रणनीति अपनाने का प्रयास करती है। यह समस्या को बिना सुने समझे टाल देने का तरीका वाजिब नहीं है। यदि प्रशासन की बात सही है तो तर्क और पूरी सूचना देकर मामला सुलझाया जा सकता है। और यदि आंदोलनकारियों की बात तथ्यात्मक है तो तथ्यों का ध्यान रखते हुए मामला हल किया जा सकता है। जीवनयापन के लिए अपरिहार्य रूप से आवश्यक संसाधनों की जब बात आती है तो स्थानीय निवासियों के अधिकारों को वरीयता दी जानी चाहिए। यही प्राकृतिक न्याय की मांग है। जहां दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह सही हों, तो किसी एक की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकल्प तलाशने चाहिए। इस प्रक्रिया में दलगत राजनीतिक हित साधने के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस दृष्टि से देखा जाए तो अली खडू आंदोलन में दोनों मुख्य राजनीतिक दलों के स्थानीय नेता एक स्वर में विवेणी पूर्ण से पानी उठाकर अबुजा सीमेंट प्लांट को देने का विरोध कर रहे हैं। विरोध का तार्किक आधार यह है कि जहां से पानी उठाया जा रहा है, वहां से नीचे बिलासपुर जिला के चार निर्वाचन क्षेत्रों को पानी



पंडित कोटी

अली खडू से मिल रहा है जिसके लिए 24 लिफ्ट और ग्रेविटी पेयजल योजनाएं, 7 सिंचाई लिफ्ट योजनाएं, स्थानीय कुहलें और घराट तथा मछली प्रजनन केंद्र चल रहे हैं। इनसे 50 हजार से ज्यादा जनसंख्या की पानी की जरूरतें पूरी हो रही हैं। 1992 में भी यह योजना गुजरात अबुजा के पूर्व मालिक द्वारा प्रस्तावित की गई थी जिसे सरकार ने ठुकरा दिया था। निर्माण कार्य को भी क्षति हुई और कुछ लोगों को चोटें भी आईं, जो हिमाचल के शांतिपूर्ण माहौल के लिए चिंता की बात है, जिसकी निंदा करना भी जरूरी है। आंदोलनकारियों के लिए एफआईआर दर्ज हो गई है। इस तरह मामले उलझते हैं, सुलझते नहीं। असल में इस अली खडू का पानी डाउन स्ट्रीम आबादी की आवश्यकताओं

द्वारा त्रिवेणी घाट पर लाभार्थियों द्वारा महापंचायत बुलाई गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय भाजपा और कांग्रेस के नेता भी शामिल थे। इसमें अन्य समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। महा पंचायत समाप्त होने के बाद भीड़ निर्माण स्थल में घुस गई और सोलन पुलिस से टकराव हो गया। निर्माण कार्य को भी क्षति हुई और कुछ लोगों को चोटें भी आईं, जो हिमाचल के शांतिपूर्ण माहौल के लिए चिंता की बात है, जिसकी निंदा करना भी जरूरी है। आंदोलनकारियों के लिए एफआईआर दर्ज हो गई है। इस तरह मामले उलझते हैं, सुलझते नहीं। असल में इस अली खडू का पानी डाउन स्ट्रीम आबादी की आवश्यकताओं

के लिए भी गर्मियों में कम पड़ जाता है और टैंकर लगा कर लोगों की प्यास बुझानी पड़ती है। ऐसी स्थिति में इस नाले पर नया बोझ डालना युवितसंगत नहीं कहा जा सकता।

स्थानीय लोगों की चिंताएं वाजिब हैं। नई जरूरतों के लिए साथ लगते कोल डैम से पानी उठाया जा सकता है। अतः समस्या के समाधान के लिए आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करके बातचीत द्वारा मामले को निपटारा जाए। सरकार उच्च स्तर पर हस्तक्षेप करके पहल करे तो शांतिपूर्ण समाधान संभव है। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि अली खडू से सोलन जिला को पानी न देने के पक्ष में दोनों मुख्य दल हैं और इस योजना का विरोध कर रहे हैं। कड़े विरोध को देखते हुए उनकी आवाज सुनी जाए।

अहा! पेपर फिर लीक हुआ

पता नहीं क्यों? सच कहूं, अब जिस परीक्षा का परीक्षा होने से पहले उसका पेपर लीक नहीं होता, उस परीक्षा को परीक्षा कहते हुए मुझ गंधे को शर्म सी नहीं, पूरी शर्म आती है। वह पारदर्शी परीक्षा ही क्या जिसका पेपर लीक न हो। वह परीक्षा ही क्या जिसका पारम्साब अपने पास ट्यूशन पढ़ने वालों को न बताएं। परीक्षा की पारदर्शिता, परीक्षा का सफल संचालन अब उसका पेपर लीक होने की अनिवार्य सी शर्त है। जो पेपर लीक हुए से कहीं के कहीं जा पहुंचते हैं उन्हें मेरा शत-शत नमन! अहा! उनके कंधों पर बैठ समाज कहां से कहां उड़ा जा रहा है।

और वे सज्जन जो पेपर लीक करते हैं, करवाते हैं, वे मेरे लिए आदरणीय नहीं, परमादरणीय हैं, गिरते समाज की अमूल्य

धरोहर हैं। इन अमूल्य धरोहरों को मरणोपरांत नहीं, उनके रहते ही उनकी समाजोपयोगी सेवाओं के लिए स्वर्ग रत्न दिया जाना चाहिए। वैसे जहां खुंड से खुंड चरित्रों का बिकना आम हो वहां पेपर जैसी घटिया आइटम बिके बिना रहे तो शर्म आनी चाहिए। किसे? यह पेपर लीक की निष्पक्ष जांच करने वालों की तरह मुझे भी पता नहीं। अभी तक पेपर लीक न होने की इसी बेवैनी से सने वे कल शाम मेरे पास आए। सिर से पांव तक परेशान। बच्चों को लेकर बापों का परेशान होना हर बाप का नैतिक कर्तव्य होता है। उन्होंने आते ही बस यही पूछा, 'कल वाला पेपर कहीं से लीक हुआ क्या?' 'हो जाएगा।' अभी पेपर लीक होने को सारी रात पड़ी है। और रात को लीक हुए पेपर हम जैसों को शुभ साबित होते रहे हैं।' तो

इतनी जल्दी पेपर की तैयारी कैसे होगी? उनकी एक और चिंता! 'हो जाएगा।' पेपर लीक करवाने वाले पेपर सॉल्वर की मुहैया करवाते हैं भाई साहब! परीक्षाओं की पारदर्शिता के इस दौर में पेपर लीक होना पेपर का नैसर्गिक गुण धर्म है। जो पेपर लीक नहीं होता उसे आज कोई पेपर ही नहीं मानता। इसलिए पेपरलीकियों पर भरोसा कर धीरज धरो। भ्रष्टाचारी से भ्रष्टाचारी पकड़े बिना स्वर्ग जा सकता है, पर पेपर लीक हुए बिना नहीं रह सकता', मैंने उन्हें सच्ची का ढांडस बंधाया। सच कहूं तो मुझे भगवान पर उतना विश्वास नहीं जितना पेपर लीक करने करवाने वालों पर है। और खुशी की बात! अभी हम पेपर लीक होने पर चिंतन मंथन कर ही थे थे कि मेरे पड़ोस के बंधु ने शुभ सूचना दी, 'बाधाई हो! कल

होने वाला पेपर उनकी सेफ से उछल कर बाहर आ गया है बाजार में।' 'बाहर आ गया?' 'हां।' 'कितनी देर हुई?' 'बस अभी।' लीक हुआ पेपर पूरे पेपर देने वालों में आग की तरह फैल गया, मत पूछो यह शुभ सूचना सुन उनके मुखारविंद पर कितना विश्वास जगा। अहा! एक बार फिर पेपर ने अपने लीक होने की परंपरा को बचाए रखा। आपकी कसम! वर्ना मैं तो अबके अभी तक पेपर लीक न होने पर बाहर भीतर से डर सा गया था। अच्छा नहीं बंधुओ! बहुत अच्छा लगता है जब आदर्शों की ओट में अर्नेतिकता दिन दुगुनी रात चौगुनी फलती फूलती है। ऐसे में खुद स्वस्थ होने अस्वस्थ परंपराओं को बचाना मेरे जैसों का भी कुछ न कुछ नैतिक दायित्व तो बनता ही है न भाई साहब!

अशोक गौतम



एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर में अभी देरी, सिंगापुर एयरलाइन ने दिया नया अपडेट

नवंबर 2022 में एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय की घोषणा हुई थी। अब इस मर्जर को लेकर सिंगापुर एयरलाइन्स (Singapore Airline) ने अपडेट दिया है। एयरलाइन ने बताया कि Air India और Vistara के मर्जर प्रस्ताव पर काम किया जा रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और अन्य नियामक मंजूरी का इंतजार है। इस रिपोर्ट में विस्तारा से जानते हैं।

नई दिल्ली। सिंगापुर एयरलाइन्स ने एयर इंडिया और विस्तारा मर्जर को लेकर एक अपडेट दिया है। सिंगापुर एयरलाइन्स ने कहा कि एयर इंडिया और विस्तारा मर्जर के प्रस्ताव पर काम किया जा रहा है। इसको लेकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और अन्य नियामक मंजूरी का इंतजार है। बता दें कि विस्तारा सिंगापुर एयरलाइन्स और टाटा समूह का एक संयुक्त उद्यम है। एक समझौते के तहत एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय की घोषणा नवंबर 2022 में की गई थी। इसमें सिंगापुर एयरलाइन्स एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का टेकओवर करेगी।

सिंगापुर एयरलाइन्स ने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा कि विलय से भारत में उसकी उपस्थिति बढ़ेगी। एयरलाइन की मल्टी-हब रणनीति मजबूत होगी और इसे बड़े और तेजी से बढ़ते एविएशन इंडस्ट्री में सीधे भाग लेने की अनुमति मिलेगी।

सिंगापुर एयरलाइन्स ने प्रेस रिलीज में कहा कि एयर इंडिया और विस्तारा का प्रस्तावित मर्जर प्रगति पर है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और अन्य विनियामक की मंजूरी का इंतजार है। यह पूरा होने पर एसआईए (सिंगापुर एयरलाइन्स) को सभी में महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथ एक विस्तृत एयर इंडिया समूह में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी देगा।

जनवरी में विस्तारा के सीईओ विनोद कन्नन (Vistara CEO Vino Kannan) ने कहा कि मर्जर 2025 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है। लेनदेन के लिए सभी कानूनी मंजूरी इस साल के मध्य तक मिलने की उम्मीद है। सिंगापुर एयरलाइन्स का तिमाही नतीजा

दिसंबर तिमाही में सिंगापुर एयरलाइन्स तो 609 मिलियन एसजीडी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट हुआ है, जो कि एक साल पहले की अवधि की तुलना में 19.3 प्रतिशत की गिरावट है। वहीं एयरलाइन्स का नेट प्रॉफिट 4.9 प्रतिशत बढ़कर एसजीडी 659 मिलियन हो गया। यह मुख्य रूप से कम कर व्यय की वजह से आई है। सिंगापुर एयरलाइन्स का राजस्व बढ़कर रिकॉर्ड 5,082 मिलियन एसजीडी हो गया। यह पहली बार 5,000 मिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। सिंगापुर एयरलाइन्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2023/24 की आखिरी तिमाही और वित्त वर्ष 2024/25 की पहली तिमाही में हवाई यात्रा की मांग अच्छी बनी हुई है।

फास्ट टैग पोर्ट प्रोसेस: एक से दूसरे बैंक अकाउंट में पोर्ट हो जाएगा फास्टैग

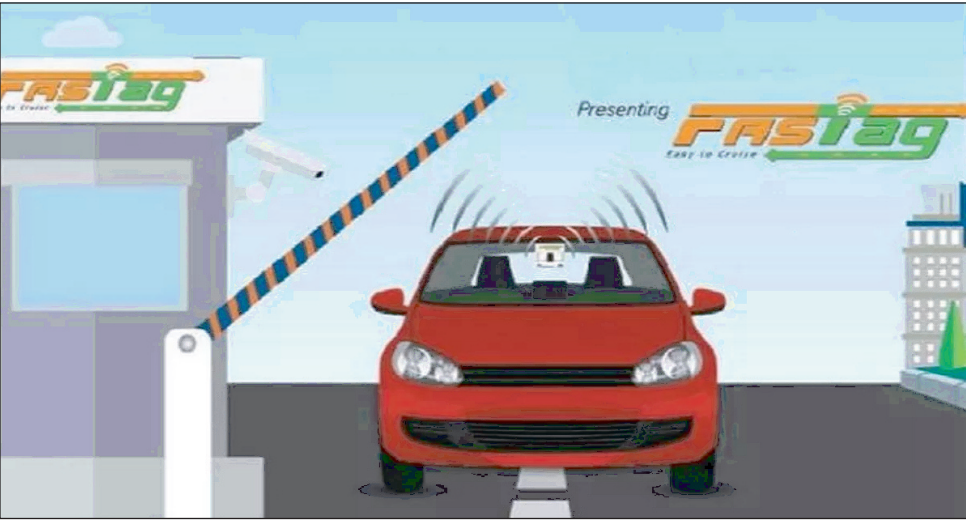
आरबीआई ने जब से पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है साथ ही पेटीएम फास्टैग की सर्विस को खत्म करने का फैसला लिया है तब से कई लोग फास्टैग को पोर्ट करवाने का विचार कर रहे हैं। अगर आप भी फास्टैग को पोर्ट करवाने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको इसका पूरा प्रोसेस के बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। आरबीआई ने जब से पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर एक्शन लिया है तब से लोग फास्टैग को लेकर काफी परेशान हैं। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या वह फास्टैग (Fastag) को पोर्ट कर सकते हैं या नहीं। दरअसल, जबसे पेटीएम पेमेंट्स बैंक (Payments Payments Bank) की फास्टैग सर्विस को बाहर किया गया है तब से कई लोग इसे पोर्ट करवाना चाहते हैं।

बता दें कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने 30 बैंकों को फास्टैग सर्विस से बाहर कर दिया है। एनएचआई ने यह फैसला बैंकों द्वारा नियमों के उल्लंघन के बाद लिया गया है। आप अपने फास्टैग को पोर्ट करवा सकते हैं।

फास्टैग को कैसे करें पोर्ट
फास्टैग को पोर्ट करवाने के लिए आपको अपने बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करना होगा। अगर आप नया फास्टैग लेने का सोच रहे हैं तो इसके लिए आपको बैंक की ऑनलाइन फास्टैग ऑप्शन पर जाकर एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank) या आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank) डबल बैंक

फास्टैग को पोर्ट करवाने के लिए जब आप कस्टमर केयर को कॉल करते हैं तब आपको कुछ दस्तावेज और डिटेल्स भी देने



होगे। यह सब जानकारी देने के बाद आप आसानी से फास्टैग को पोर्ट कर सकते हैं।
इन बैंक में मिलती है फास्टैग सर्विस
NHAI ने फास्टैग सर्विस के अनुसार देश के 30 बैंकों में फास्टैग सर्विस उपलब्ध है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक
इलाहाबाद बैंक
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक
एक्सिस बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
बैंक ऑफ महाराष्ट्र
केनरा बैंक
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
सिटी यूनियन बैंक
कोसमोस बैंक
इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक
फेडरल बैंक
फिनो पेमेंट्स बैंक
एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank)
आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank)
डबल बैंक



IDFC फस्ट बैंक
इंडियन बैंक
इंडसइंड बैंक
J&K बैंक
कर्नाटक बैंक
करूर वेश्य बैंक
कोटक महिंद्रा बैंक
नागपुर नागरिक सहकारी बैंक
पंजाब नेशनल बैंक

सारस्वत बैंक
भारतीय स्टेट बैंक (SBI)
त्रिशूर जिला सहकारी बैंक
यूको बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
यस बैंक
फास्टैग क्यों जरूरी है
फास्टैग एक डिवाइस है। इसमें डियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन (RFID)

“
बता दें कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने 30 बैंकों को फास्टैग सर्विस से बाहर कर दिया है। एनएचआई ने यह फैसला बैंकों द्वारा नियमों के उल्लंघन के बाद लिया गया है। आप अपने फास्टैग को पोर्ट करवा सकते हैं।

टेक्नोलॉजी होती है। जिसके जरिये स्पीड में चल रही गाड़ी के अकाउंट से डायरेक्ट टोल पेमेंट्स डिडक्ट हो जाती है। फास्टैग चिप पर गाड़ी के फ्रंट शीशे पर लगता है। फास्टैग से बैंक अकाउंट लिंक होता है। टोल पेमेंट्स फास्टैग से लिंक बैंक अकाउंट से ही पैसे कटते हैं।
एनएचआई फास्टैग को इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी मैनेज करती है।

इनसाइड

ICRA ने दिसंबर तिमाही के GDP ग्रोथ को लेकर जारी की रिपोर्ट, जीडीपी में 6% बढ़ोतरी के हैं संकेत
ICRA GDP Growth Report 29 फरवरी 2024 को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही की जीडीपी आंकड़े जारी होंगे। ICRA ने जीडीपी ग्रोथ को लेकर संभावना जताई है। आईसीआरए के अनुसार साल-दर-साल में जीडीपी 7.6 के मुकाबले 6 प्रतिशत की तेजी हो सकती है।
इंडस्ट्रियल सेक्टर और एग्रीकल्चर सेक्टर में भी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। ICRA ने जीडीपी ग्रोथ को लेकर अनुमान बताया है। आईसीआरए ने दिसंबर तिमाही में जीडीपी में वृद्धि की संभावना जताई है। 129 फरवरी 2024 को जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े जारी होंगे। आईसीआरए ने साल-दर-साल में जीडीपी 7.6 के मुकाबले 6 प्रतिशत की तेजी की संभावना जताई है। जीडीपी को लेकर आईसीआरए ने आज एक रिपोर्ट जारी किया है। वहीं, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीवीए 7.4 फीसदी से कम होकर 6 प्रतिशत होने का अनुमान बताया है। इंडस्ट्रियल सेक्टर 8.8 फीसदी से बढ़कर 13.2 फीसदी होने का अनुमान बताया है। एग्रीकल्चर सेक्टर में भी 0.5 फीसदी की बढ़त होकर 1.2 फीसदी होने की संभावना है।

एटीएम फ्रॉड से बचाने में ये बातें आएंगी आपके काम इन लापरवाहियों की वजह से होता है बैंक अकाउंट साफ

अब हमें कैश निकालने के लिए बैंक जाने की जरूरत नहीं है। हम आसानी से अपने नजदीक के ATM से कैश विड्रॉ कर सकते हैं। वर्तमान में एटीएम के जरिये फ्रॉड के मामलों में तेजी देखने को मिली है। ऐसे में एक छोटी सी गलती की वजह से हमारा बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। एटीएम का इस्तेमाल करते वक़्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

नई दिल्ली। वैसे तो देश डिजिटल पेमेंट की तरफ बढ़ रहा है पर फिर भी हमें कई बार कैश की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे में एटीएम कार्ड (ATM Card) या डेबिट कार्ड (Debit Card) के जरिये हम आसानी से कैश विड्रॉ कर सकते हैं। कैश विड्रॉ करने के लिए हमें अब बैंक जाने की जरूरत नहीं है। हालांकि, एटीएम कार्ड का इस्तेमाल करते वक़्त हमें कुछ बातों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

वर्तमान में एटीएम फ्रॉड के मामलों में तेजी देखने को मिली है। ऐसे में एक छोटी सी गलती की वजह से हमारे साथ ही फ्रॉड हो सकता है। चलिए, आज हम आपको बताते हैं कि आपको एटीएम का इस्तेमाल करते वक़्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान
आप जब भी एटीएम मशीन से कैश विड्रॉ करते तो उससे पहले आपको



आसपास की जगह को स्कैन कर लेना चाहिए। दरअसल, कई बार ठग कई क्लोनिंग डिवाइस लगा देते हैं और एटीएम कार्ड स्कैन कर देते हैं। एटीएम पिन भरते समय एक बार आप एटीएम की बोर्ड चेक करें। कई बार की बोर्ड के पास हिडन कैमरा या चिप लगा होता है।

जब भी एटीएम पिन दर्ज करते हैं तो उसे कैमरे की नजर से बचाकर ही भरें। दरअसल, हैकर्स कैमरे को हैक करके आपके एटीएम पिन को देख सकते हैं।

काईड स्वाइप करने से पहले आपको पीओएस मशीन (POS machine) को चेक करना चाहिए। आप यह जरूर चेक करें कि मशीन कौन-से बैंक का है।

आपको हमेशा कोशिश करनी चाहिए कि आप मैग्नेटिक कार्ड की जगह पर ईएमवी चिप का इस्तेमाल करें। दरअसल, ईएमवी काईड में माइक्रोचिप होती है। अगर कभी एटीएम कार्ड स्कैन या क्लोन होता जाता है तो एनक्रिप्टेड सूचना ही मिलेगी।

आपको कभी भी डेबिट या क्रेडिट कार्ड को शांति, रिचार्ज या दूसरे वॉलेंट नहीं करना चाहिए।

आपको कोशिश करनी चाहिए कि आप वो एटीएम का इस्तेमाल करें जिसमें गार्ड उपस्थित है।

शांतिग मॉल में आप जब भी एटीएम काईड का इस्तेमाल करते हैं तो आपको ओटीपी के जरिये ही ट्रांजेक्शन करना

चाहिए। हमेशा एटीएम कार्ड से विड्रॉ की एक लिमिट तय करें। ऐसे में क्लोनिंग या फ्रॉड होने पर कुछ वित्तीय नुकसान ही होगा।

फ्रॉड हो जाने पर क्या करें
अगर एटीएम का इस्तेमाल करते समय बैंक या मशीन से ट्रांजेक्शन सफल शो हो रहा है पर कैश नहीं निकला है तो आपको तुरंत बैंक को कॉल करना चाहिए। कोई तकनीकी दिक्कत में बैंक 24 से 48 घंटे में पैसा वापस अकाउंट में आ जाएगा।

अगर गलती से आपके साथ फ्रॉड हो जाता है तब आपको जल्द से जल्द पुलिस में शिकायत दर्ज करवानी चाहिए।

पेटीएम के शेयरों ने भी टच किया अपर सर्किट, 5 फीसदी चढ़ा कंपनी का स्टॉक

31 जनवरी 2024 को पीपीबीएल के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। इसका असर वन97 कम्युनिकेशन स्टॉक पर देखने को मिला है। पिछले हफ्ते कंपनी के शेयर में गिरावट देखने को मिली है पर पिछले लगातार 4 सत्र से पेटीएम के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

नई दिल्ली। बुधवार के कारोबारी सत्र में पेटीएम के शेयर में तेजी देखने को मिली है। लगातार चौथे कारोबारी सत्र में पेटीएम के शेयर अपर सर्किट को छू रहा है। आज भी कंपनी के शेयर 5 फीसदी चढ़ गए हैं।

पेटीएम का स्टॉक बीएसई और एनएसई पर 5 प्रतिशत चढ़कर 395.25 रुपये और 395.05 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। आज कंपनी अपर सर्किट सीमा पर पहुंच गया। बुधवार के सुबह के सत्र में बीएसई सेंसेक्स 27.95 अंक या 0.04 प्रतिशत बढ़कर 73,085.35 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई का निफ्टी 15.75 अंक फिसलकर 22,181.20 पर पहुंच गया।

पेटीएम के शेयर में पिछले हफ्ते शुक्रवार से तेजी आई है और गुरुवार के 325 रुपये के बंद स्तर से 21 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। इस कारोबारी हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार को पेटीएम के शेयर अपर सर्किट सीमा तक पहुंचने के एक दिन बाद मंगलवार को वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

पिछले हफ्ते पेटीएम के शेयर लगातार तीन दिन तक गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। इसके बाद शुक्रवार को पेटीएम के शेयरों में तेजी का रुख अपनाया।



क्यों आई शेयरों में तेजी
वन97 कम्युनिकेशन के शेयरों में तेजी तब आई जब ईडी (ईडी) ने संकटग्रस्त फिनटेक कंपनी की शाखा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) की जांच के बाद यह घोषणा की उन्हें अब तक विदेशी मुद्रा नियमों का कोई उल्लंघन नहीं मिला है। हालांकि, केंद्रीय एजेंसी ने नो-योर-कस्टमर (केवाईसी) मानदंडों के साथ-साथ संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट तैयार करने के मुद्दों में कुछ खामियाँ पाई हैं।

पिछले हफ्ते से ईडी ने विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन के लिए पीपीबीएल द्वारा विदेशी लेनदेन की जांच शुरू की थी। 31 जनवरी 2024 को पीपीबीएल के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। इसका असर वन97 कम्युनिकेशन स्टॉक पर देखने को मिला है।

आरबीआई के निर्देश के अनुसार पीपीबीएल को 29 फरवरी के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उपकरण, वॉलेंट, फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड में आगे जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप रोकने के लिए कहा। हालांकि, बाद में केंद्रीय बैंक ने इसकी समयसीमा को 15 मार्च 2024 तक बढ़ा दी। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीपीबीएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लेकिन वह इसे कंपनी के सहयोगी के रूप में वर्गीकृत करता है, न कि सहायक कंपनी के रूप में।

पीएम किसान योजना : के अलावा इन स्कीम से भी किसान बदल सकते हैं अपनी जिंदगी, जानें पूरी डिटेल्स

परिवहन विशेष न्यूज
देश में फिलहाल किसान आंदोलन चल रहा है। किसान संगठन राजधानी दिल्ली की ओर कूच कर रहे हैं। वैसे तो सरकार द्वारा किसानों के लिए कई तरह की स्कीम चलाई जा रही है। यह सभी योजना किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए शुरू की गई है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि सरकार किसानों के लिए कौन-सी स्कीम चला रही है।

नई दिल्ली। इन दिनों देश में किसान आंदोलन चल रहा है। किसान संगठन राजधानी दिल्ली की तरफ कूच कर रहे हैं। ऐसे में सिंधू बॉर्डर, शंभू बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर सहित दिल्ली की तमाम बॉर्डर को सील किया गया है जिस वजह से वहां लंबा जाम लगा हुआ है। बता दें कि किसान फसलों के समर्थन मूल्य की गारंटी को लेकर आंदोलन किया है।

बता दें कि मोदी सरकार किसानों की हित के लिए कई तरह की स्कीम चला रहे हैं। इन

स्कीम का उद्देश्य किसानों को आर्थिक लाभ देना है। चलिए, जानते हैं कि सरकार द्वारा किसानों के लिए कौन-से स्कीम चलाई जा रही है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना
पीएम किसान सम्मान योजना (PM KISAN Yojana) में सरकार सालाना 6,000 रुपये की राशि देती है। यह राशि किस्तों में मिलती है। इसका लाभ पाने के लिए किसानों को कहीं जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि किस्त की राशि बैंक अकाउंट में डायरेक्ट जमा हो जाती है। देश में लगभग 11 करोड़ किसानों को इस योजना का लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना
प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना (PM KMY) का उद्देश्य किसानों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा देना है। यह एक तरह की पेंशन स्कीम (Pension Scheme) है। इसमें 18 से 40 वर्ष तक की आयु वाले किसान आवेदन दे सकते हैं। पेंशन का लाभ पाने के लिए उन्हें 55 से 200 रुपये तक का प्रीमियम का भुगतान करना होता है।

जब किसान 60 साल की आयु के हो जाते हैं तब किसान को 3000 रुपये बतौर पेंशन मिलता है। यह योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के तहत सुरक्षा मिलती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) में फसल का इश्योरेंस किया जाता है। जब प्राकृतिक आपदा की वजह से फसल खराब हो जाती है तब इस स्कीम के तहत किसान इश्योरेंस क्लेम कर सकते हैं। इस योजना में बोआई से लेकर कटाई तक के रिस्क को कवर किया जाता है। इसके अलावा रबी और खरीफ सीजन के फसलों का भी बीमा किया जाता है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना
किसानों को सरती दर लोन उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने संशोधित ब्याज सहायता योजना शुरू किया है। इसे क्रेडिट कार्ड योजना (Kisan Credit Yojana) भी कहा जाता है। इसमें किसान कम ब्याज पर लोन ले सकते हैं। अगर किसान लोन की राशि समय से पहले चुका देते हैं तो उसे सब्सिडी का लाभ भी मिलता है।

कृषि अवसंरचना कोष योजना
सरकार ने कृषि सेक्टर में विकास में तेजी लाने के लिए कृषि अवसंरचना कोष योजना शुरू की। इसमें फसल को सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था के लिए फंड दिया जाता है। इस स्कीम के तहत किसान 2 करोड़ रुपये तक का लोन ले सकते हैं। इसमें ब्याज की छूट भी दी जाती है।

